शर्मा हार्डओवेर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 11 | अंक : 44 | गुवाहाटी | मंगलवार, 10 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बांग्लादेश में हिंदुओ पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध में निकाली जाएगी ... पेज 2

कांग्रेस वोट के लिए निचले असम की तरह ऊपरी असम में भी ....ॅ पेज 3

साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में किया ... पेज 5

चीन के बाद जापान को हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

दुख भोगने वाला आग चलकर सुखी हो सकता है लेकिन दुख देने वाला कभी सुख नहीं भोग सकता।

– **आचार्य चाणक्य**

टेक्सास में दिए बयानों पर घिरते देख नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बचाव में खड़े हुए खड़गे

नई दिल्ली (हिंस)। अमेरिका दौरे के दौरान दिए बयानों पर लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को घिरते देख कांग्रेस बचाव में आ गई है। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने राहुल का बचाव करते हुए कहा कि उन्होंने कभी भी भारत को नहीं बदनाम किया है। भाजपा का आरोप यह भी है कि राहुल गांधी की पुरानी आदत है कि जब भी वह विदेश जाते हैं तो देश के बारे में टीका टिप्पणी करते हैं। अपने ही देश को बुरा दिखाने की कोशिश करते हैं। सोमवार को भाजपा के आरोपों का जवाब देते हुए कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने मीडिया से बातचीत में कहा कि उन्होंने (राहुल गांधी) कभी भारत को बदनाम नहीं किया है और न ही कभी करेंगे, यह हमारा वादा है। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा वालों को बहाने की जरूरत होती है और वे हर रोज ऐसे मुद्दे उठाते हैं। दरअसल, लोकसभा में विपक्ष के नेता और सांसद राहुल गांधी ने टेक्सास में आरएसएस और देश में बेरोजगारी को लेकर कई बयान दिए हैं। राहुल गांधी के बयान पर भारतीय जनता पार्टी ने तीखा हमला करते हुए उन्हें चीन का ब्रांड एंबेसडर बताया है। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोमवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि राहुल गांधी विपक्ष के नेता हैं। विपक्ष के नेता देश के लिए भी जवाबदेह हैं। देश से बाहर रहकर देश की छवि को नुकसान पहुंचाना देशद्रोह जैसा -शेष पृष्ठ दो पर

प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस के बीच भारत-यूएई संबंधों पर हुई वार्ता

नई दिल्ली (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अबु धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान के बीच सोमवार को वार्ता हुई। इस दौरान दोनों नेताओं ने भारत-यूएई के बीच नए और उभरते क्षेत्रों में व्यापक रणनीतिक साझेदारी को व्यापक बनाने के लिए बहुआयामी संबंधों और रास्तों पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस कल आधिकारिक यात्रा पर दिल्ली पहुंचे थे। आज प्रधानमंत्री मोदी ने हैदराबाद हाउस में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का स्वागत किया। इसके बाद दोनों नेताओं ने आपसी मुद्दों पर चर्चा की। क्राउन प्रिंस के साथ यूएई सरकार के कई मंत्री और एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। उनका राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी मिलने का कार्यक्रम -शेष पृष्ठ दो पर

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने एनईपी को लेकर मुख्यमंत्री स्टालिन पर किया पलटवार

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पर पलटवार करते हुए सोमवार को सवाल किया कि क्या वह तमिल सहित मातृभाषा में शिक्षा का विरोध कर रहे हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने सोशल मीडिया के माध्यम से केंद्र की भाजपा सरकार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) को लेकर आरोप लगाया है।उन्होंने एनईपी के आगे झुकने से मना करने पर देश में सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले राज्यों को केंद्र सरकार पर धन देने से इनकार -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कवि कुमार विश्वास को मिली जान से मारने की धमकी

गाजियाबाद (हिंस)। कवि और राम कथा वाचक डॉ. कुमार विश्वास को मोबाइल फोन पर जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। किसी कॉलर ने डॉ. विश्वास को शनिवार को उस समय धमकी दी जब वह सिंगापुर में श्रीराम कथा कर रहे थे। इस संबंध में उनके मैनेजर -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर में छात्रों ने घेरा राजभवन व मुख्यमंत्री कार्यालय

डीसी ऑफिस से उतारा राष्ट्रीय ध्वज

इंफाल (हिंस)। मणिपुर में स्थिति सुधर नही रही है। सोमवार को विभिन्न स्कूलों एवं कॉलेजों के छात्रों ने राजधानी इंफाल में राजभवन तथा मुख्यमंत्री कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया। इसके अलावा थौबल में छात्रों ने जिला उपायुक्त के कार्यालय के ऊपर चढ़कर कार्यालय के ऊपर लगे राष्ट्रीय ध्वज को उतारकर स्थानीय झंडा फहरा दिया। हजारों छात्रों के आगे सुरक्षा बलों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। छात्रों को -शेष पृष्ठ दो पर

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग के वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी के ठिकानों पर सीबीआई का छापा

रायपुर (हिंस)। सीबीआई ने आय से अधिक संपत्ति रखने के आरोप में आरोपी वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी, भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा विभाग रायपुर के ठिकानों पर छापा मारा है। अधिकारी की पहचान वीरेंद्र कुमार पटेल के रूप में हुई है। रायपुर में आरोपी के आवासीय और कार्यालय परिसर सहित तीन स्थानों पर आज मंगलवार को तलाशी ली जा रही है। सीबीआई की जांच जारी है। सीबीआई ने आरोप लगाया है कि कि पटेल 13 जुलाई 2006 को 4800 रुपए के वेतनमान पर एसओ के रूप में उस सेवा में शामिल हुए। नौकरी में शामिल होने के बाद, उन्होंने कथित तौर पर प्रति वर्ष कृषि भूमि और आवासीय भूखंडों के रूप में रियल एस्टेट संपत्तियों में निवेश किया है। प्रारंभिक जांच और तलाशी से पता चला कि उसने कथित तौर पर हर साल कृषि भूमि, आवासीय भूखंड आदि के रूप में लगभग 10 से अधिक संपत्तियों की खरीद की है। आरोपी ने 13 जुलाई 2006 को एसओ के पद पर ग्रेड वेतन 4800 रुपए में नौकरी ज्वाइन की थी। आधिकारिक सूत्रों पर मिली जानकारी के अनुसार अधिकारी पर यह -शेष पृष्ठ दो पर

कैंसर की दवा एवं नमकीन पर जीएसटी की दर घटी : सीतारमण

नई दिल्ली (हिंस)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को कहा कि वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) परिषद की बैठक में कई अहम फैसले लिए गए हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि दरों को युक्तिसंगत बनाने पर गठित मंत्री समूह (जीओएम) और रियल एस्टेट पर गठित ? जीओएम ने अपनी स्थिति रिपोर्ट को सौंप दी है। उन्होंने कहा कि ऑनलाइन गेमिंग और कैसीनो पर स्थिति प्रस्तुत की गई है। सीतारमण ने कहा कि 6 महीनों में ऑनलाइन गेमिंग से राजस्व 412 फीसदी बढ़कर 6909 करोड़ रुपए हो गया है। सीतारमण ने राजधानी नई दिल्ली में -शेष पृष्ठ दो पर

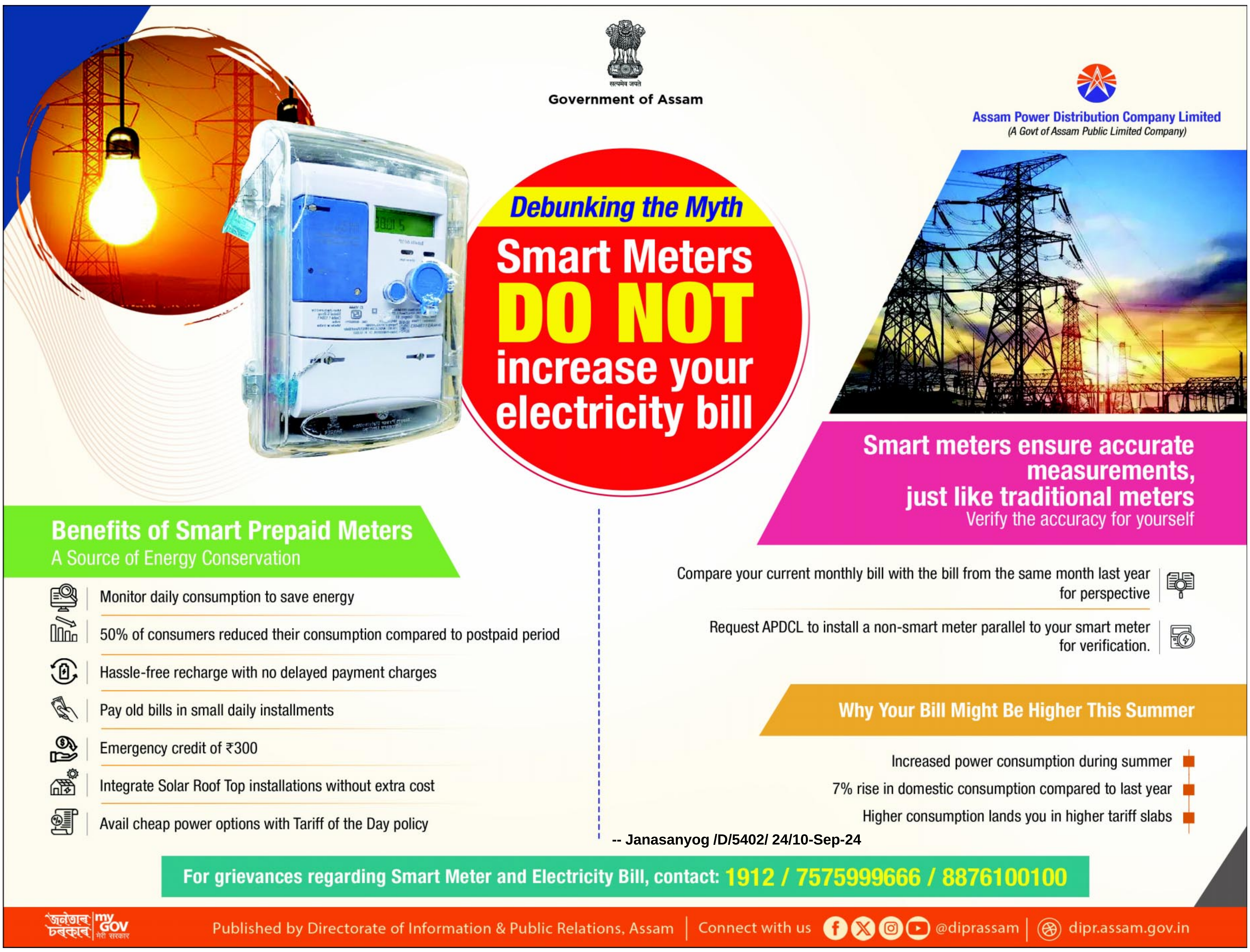

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

बांग्लादेश में हिंदुओ पर हो रहे अत्याचार के विरुद्ध में निकाली जाएगी हिंदू जागरण यात्रा

किशनगंज (हिंस)। बांग्लादेश में हिंदुओं पर जारी हिंसा हत्या और अमानवीय कृत्य के विरुद्ध में आगामी 18 अक्तूबर से 22 अक्तूबर के बीच सीमा क्षेत्र में निकलेगी हिंदू जागरण यात्रा जिसकी अगुवाई प्रमुख साधु संत के साथ केंद्रीय मंत्री व जेएसएफ के राष्ट्रीय मार्गदर्शक गिरिराज सिंह करेंगें। उक्त आशय की जानकारी सोमवार को जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के प्रदेश अध्यक्ष व हिंदू जागरण यात्रा के सह समन्वयक ने बैठक के उपरांत दी। जारी प्रेस बयान में यात्रा के सह समन्वयक श्री कुमार, सहित जिला समन्वय सह संचालन समिति के सदस्य भाजपा जिला महामंत्री मनीष सिन्हा, नगर अध्यक्ष अरविंद मंडल, धर्म जागरण के विभाग प्रमुख नंद मोहन सिंह, जिला संयोजक भुनेस्वर सिंह, बजरंग दल के सुनील तिवारी, विहिप के रोहित चौधरी, अभाविप के जिला संयोजक दीपक चौहान, अमित मंडल राम सेना के चंद्र किशोर राम, राज पासवान, अधिवक्ता व सामाजिक कार्यकर्ता शिशिर दास, अजित दास जनसंख्या समाधान फाउंडेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष अंकित कौशिक, जिलाध्यक्ष हरिकिशोर साह, जिला संयोजक विशाल स्वर्णकार, महिला जिला अध्यक्ष सरस्वती देवी, सोशल मीडिया प्रभारी जय किशन प्रसाद, अमर शर्मा, बलवीर सिंह, रवि कुमार आदि ने संयुक्त रूप से बताया कि यह यात्रा 18 अक्तूबर को भागलपुर से प्रारंभ होकर सीमा क्षेत्र के कटिहार पुर्णिया अररिया जिला होते हुए 22 अक्तूबर को किशनगंज में समाप्त होगी। समन्वय समिति के सदस्यों ने बताया कि 21 अक्तूबर के संध्या यह यात्रा किशनगंज जिला मुख्यालय में प्रवेश करेगी। सदस्यों ने कहा कि यात्रा के भव्य स्वागत और इस मौके पर होने वाले सार्वजनिक सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए व्यापक जन संपर्क अभियान हेतु शीघ्र ही तैयारी समिति गठित कर शुरू की जाएगी। मौके पर बड़ी संख्या में हिंदू जागरण यात्रा समिति के सदस्य मौजूद थे।

लड़ाकू सुखोई विमानों के 240 एयरो इंजन की खरीद के लिए एचएएल से समझौता

नई दिल्ली (हिंस)। रक्षा क्षेत्र में *आत्मनिर्भरता* के लिए सोमवार को रक्षा मंत्रालय ने हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ 26 हजार करोड़ रुपए के अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। इस समझौते के तहत भारतीय वायु सेना के लड़ाकू सुखोई-30 एमकेआई विमानों के लिए 240 एयरो इंजन (एएल-31 एमपी) की खरीद एचएएल से की जाएगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने 02 सितम्बर को इस खरीद सौदे को मंजूरी दी थी।भारतीय वायु सेना के पास सबसे शक्तिशाली और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण लड़ाकू बेड़े में रूस में निर्मित सुखोई-30 एमकेआई भी है। सुखोई विमानों की मारक क्षमता बढ़ाने के लिए ऐसा राडार, नये इंजन, आईआरएसटी सेंसर, अगली पीढ़ी के आरडब्ल्यूआर, एडवांस जैमर, वैमानिकी, नए ईडब्ल्यू सूट, डीएफसीसी, भारतीय मिसाइलें और बम लगाए जाने हैं। एचएएल में अपग्रेड होने के बाद सुखोई-30 रूसी जेट नहीं रहेगा, बल्कि 78 फीसदी स्वदेशीकरण होने के बाद भारतीय जेट में बदल जायेगा। अपग्रेडशन पूरा होने के बाद भारतीय वायु सेना के लड़ाकू बेड़े को बड़ी ताकत मिलेगी और विदेशी मूल के उपकरण निर्माताओं (ओईएम) पर निर्भरता भी काफी सीमा तक कम हो जाएगी। इसके अलावा सुखोई के इंजनों को भी बदला जाना है, जिसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने 02 सितम्बर को मंजूरी दी। भारतीय वायु सेना के इन विमानों के लिए 240 एयरो-इंजन (एएल-31 एमपी) की डिलीवरी एक साल बाद शुरू होकर आठ साल की अवधि में पूरी होगी। इन इंजनों में 54 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी सामग्री होगी। एचएएल में बनाए जाने वाले इन एयरो इंजनों की आपूर्ति से वायु सेना के हवाई लड़ाकू बेड़े की जरूरतों को पूरा किया जा सकेगा, ताकि वे अपने निर्बाध संचालन को जारी रखकर देश की युद्ध और रक्षा तैयारियों को मजबूत कर सकें। रक्षा मंत्रालय ने 26 हजार करोड़ रुपए से अधिक की लागत से सुखोई-30 एमकेआई विमान के लिए 240 एएच-31 एमपी एयरो इंजन खरीदने के लिए आज हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) के साथ एक अनुबंध पर हस्ताक्षर किए हैं। नई दिल्ली में रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल वीआर चौधरी की उपस्थिति में रक्षा मंत्रालय और एचएएल के वरिष्ठ अधिकारियों ने अनुबंध पर हस्ताक्षर किए। इन हवाई इंजनों का निर्माण एचएएल के कोरापुट डिवीजन में किया जाएगा। समझौते के अनुसार एचएएल प्रति वर्ष 30 हवाई इंजन की आपूर्ति करेगा। सभी 240 इंजनों की आपूर्ति अगले आठ वर्षों की अवधि में पूरी हो जाएगी।

लालू के करीबी सुभाष यादव पर ईडी की कार्रवाई, 67 करोड़ की प्रॉपर्टी जब्त

पटना (बिहार) (हिंस)। मनी लांड्रिंग मामले में लालू यादव के करीबी सुभाष यादव के खिलाफ ईडी ने बड़ी कार्रवाई की है। प्रवर्तन निदेशालय ने मेसर्स ब्रॉडसंस कमोडिटीज प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ मनी लांड्रिंग के तहत मामला दर्ज किया है। ईडी ने कंपनी के पूर्व निदेशक सुभाष यादव द्वारा अर्जित 67.56 करोड़ की अवैध संपत्ति को जब्त कर लिया है। दरअसल, ईडी ने मेसर्स ब्रॉडसॉन्स लिमिटेड के खिलाफ मनी लांड्रिंग का केस दर्ज किया था। इस केस में ईडी ने कंपनी के पूर्व निदेशक सुभाष यादव द्वारा अवैध तरीके से अर्जित 67.56 करोड़ की संपत्ति को अटैच किया है। ईडी ने पटना, देहरादून और गाजियाबाद की पांच अचल संपत्ति को अस्थायी रूप से कुर्क कर लिया है।

भारत-अमेरिका सैन्य संयुक्त युद्ध अभ्यास महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में शुरू

बीकानेर/जयपुर (हिंस)। भारत-अमेरिका संयुक्त सैन्य युद्ध अभ्यास का 20वां संस्करण सोमवार से राजस्थान के महाजन फील्ड फायरिंग रेंज में विदेशी प्रशिक्षण नोड में शुरू हुआ। यह अभ्यास 22 सितंबर तक चलेगा। दोनों सेनाओं के बीच यह युद्ध अभ्यास 2004 से हर साल बारी-बारी आयोजित किया जाता है। रक्षा प्रवक्ता कर्नल अमिताभ शर्मा ने बताया कि सैन्य शक्ति और उपकरणों के संदर्भ में इस संयुक्त अभ्यास के दायरे और जटिलता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।अभ्यास में 600 सैनिकों की भारतीय सैन्य टुकड़ी का प्रतिनिधित्व राजपूत रेजिमेंट की एक बटालियन कर रही है। इसके साथ-साथ हथियारों और सैन्य सेवाओं के कर्मी भी अभ्यास में हिस्सा ले रहे हैं। इसी तरह 600 सैनिकों की अमेरिकी टुकड़ी का प्रतिनिधित्व अमेरिकी सेना के अलास्का स्थित 11वें एयरबोर्न डिवीजन की 1-24 बटालियन कर रही है। इस संयुक्त अभ्यास का उद्देश्य संयुक्त राष्ट्र जनादेश के सातवें अध्याय के तहत उप-परंपरागत परिदृश्य में आतंकवाद विरोधी अभियान चलाने के लिए दोनों पक्षों की संयुक्त सैन्य क्षमता को बढ़ाना है।

सुप्रीम कोर्ट का इजराइल को हथियारों की सप्लाई रुकवाने की याचिका पर सुनवाई से इनकार

नई दिल्ली (हिंस)। सुप्रीम कोर्ट ने इजराइल को भारत से हथियारों की सप्लाई रुकवाने की मांग को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया है। चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि विदेश नीति पूरी तरह से केंद्र सरकार के अधिकार क्षेत्र का मसला है। इसमें कोर्ट के दखल देने का कोई औचित्य नहीं बनता है। वकील प्रशांत भूषण के जरिए दाखिल याचिका में आरोप लगाया है कि इजराइल फिलिस्तीन में नरसंहार कर रहा है, इसलिए भारत सरकार कंपनियों से इजराइल को सैन्य समान देने से रोके। याचिका दायर करने वालों में सेवानिवृत्त राजनयिक अशोक कुमार शर्मा, पूर्व आईएएस मीना गुप्ता, पूर्व आईएफएस देब मुखर्जी, दिल्ली यूनिवर्सिटी के सोशल साइंस के पूर्व डीन प्रोफेसर अचिन विनायक, मशहूर प्रोफेसर ज्यां द्रेज, मशहूर कर्नाटक शास्त्रीय संगीतकार थोडूर मडाबुसी कृष्णा, सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. दर्ष मांदर और मजदूर किसान शक्ति संगठन के निखिल दे थे। याचिका में नए लाइसेंस देने पर रोक लगाने की मांग करते हुए कहा गया था कि अंतर्राष्ट्रीय करार पर भारत ने हस्ताक्षर करते हुए कहा है कि नरसंहार रोकने के लिए अपनी शक्ति के भीतर सभी उपाय करने के लिए बाध्य है। इसलिए वह इजराइल को कोई सैन्य उपकरण या हथियार निर्यात नहीं कर सकता है। वो भी तब जब इस बात का गंभीर खतरा हो कि इन हथियारों का इस्तेमाल युद्ध अपराध करने के लिए किया जा सकता है। इस याचिका में अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय के 26 जनवरी के फैसले

का हवाला दिया गया था, जिसके तहत उसने गाजा पट्टी में अपराध की रोकथाम और सजा पर कन्वेंशन के तहत दायित्वों के उल्लंघन के लिए इज़राइल के खिलाफ अनंतिम उपायों का आदेश दिया था। याचिकाकर्ताओं के मुताबिक सैन्य हथियारों की निरंतर आपूर्ति भारत के संविधान के अनुच्छेद 14 और 21 के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय कानूनों के तहत भारत के दायित्वों का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया था कि भारत को इजराइल को दी जाने वाली अपनी सहायता, विशेष रूप से सैन्य उपकरणों सहित अपनी सैन्य सहायता को तत्काल निलंबित कर देना चाहिए, क्योंकि इस सहायता का उपयोग जेनोसाइड कन्वेंशन, अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून या सामान्य अंतर्राष्ट्रीय कानून के अन्य अनिवार्य मानदंडों के उल्लंघन करने के लिए किया जा सकता है। इसके अलावा भारत को यह सुनिश्चित करने के लिए तत्काल हरसंभव प्रयास करना चाहिए कि इजराइल को पहले से दिए गए हथियारों का इस्तेमाल नरसंहार करने, नरसंहार के कृत्यों में योगदान देने या ऐसे तरीके से उपयोग न किया जाए, जिससे अंतर्राष्ट्रीय मानवीय कानून का उल्लंघन हो।

सांसद और विधायकी का चुनाव लड़ने के लिए तय होनी चाहिए शैक्षिक योग्यता ?

नई दिल्ली। भारत में अगले कुछ माह में कई राज्यों में चुनाव होने वाले हैं। यह सही समय है जब हम असहज सच्चाई का सामना करें। *हमारा लोकतंत्र उतना ही मजबूत है, हम जितने मजबूत लोगों को चुन कर सत्ता में बैठाते हैं।* यह एक बड़ा सवाल है कि जो लोग दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के नेता बनना चाहते हैं, उनके लिए कुछ न्यूनतम शैक्षिक योग्यता तय की जानी चाहिए या नहीं। इसका जवाब निश्चित रूप से हां है। हमने लंबे समय तक सबको चुनाव लड़ने के अधिकार को भारतीय लोकतंत्र के आधार स्तंभ के तौर पर देखा है और समान रूप से महत्वपूर्ण अच्छी सरकार और अच्छे शासन की जरूरत को उतना महत्व नहीं दिया। यह दावा करना कि चुनाव लड़ने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता की जरूरत अलोकतांत्रिक और अभिजातवादी विचार है, निश्चित रूप से यथास्थिति को बनाए रखने के लिए एक चालाकी भरा तर्क है। एक नेता और चुने हुए प्रतिनिधि के बीच अंतर है। नेता पार्टी के स्तर पर काम करता है, जबकि चुना गया प्रतिनिधि कानून बनाने की प्रक्रिया से जुड़ा हुआ है। आज की दुनिया में प्रतिस्पर्धा दिनों दिन बढ़ती जा रही है।

बीटीआर में पीएचई योजनाओं के समय पर क्रियान्वयन और रखरखाव पर जोर दिया : ईएम डॉ. स्वर्गियारी

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। हमारी पीएचई योजनाओं का प्रभावी और समय पर क्रियान्वयन यह सुनिश्चित करने के लिए महत्वपूर्ण है कि इसका लाभ बीटीआर के प्रत्येक निवासी तक पहुंचे। डॉ. नीलुत स्वर्गियारी, बीटीसी ईएम फॉर पब्लिक हेल्थ इंजीनियरिंग (पीएचई) ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सभी परियोजनाएं निर्दिष्ट समय सीमा के भीतर पूरी हों ताकि लोगों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता पूरी हो सके। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो के विजन से प्रेरित होकर, ईएम डॉ. स्वर्गियारी बीटीआर में चल रही पीएचई विभाग की योजनाओं की प्रगति की निगरानी करने और संबंधित किसी भी मुद्दे को हल करने के लिए सक्रिय रूप से जिलों का दौरा कर रहे हैं। आज, उन्होंने विभिन्न परियोजनाओं की स्थिति का मूल्यांकन करने के लिए पीएचई विभाग के तंगला डिवीजन के साथ समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। समीक्षा के दौरान, ईएम डॉ. स्वर्गियारी ने यह सुनिश्चित करने के लिए इंजीनियरों द्वारा नियमित रूप से क्षेत्र का दौरा करने के महत्व पर जोर दिया कि योजनाओं को विनिर्देशों के अनुसार लागू किया जाए और समय पर पूरा किया जाए। उन्होंने बीटीआर के निवासियों के लिए इन परियोजनाओं के लाभों को अधिकतम करने के लिए इनके उचित रखरखाव की आवश्यकता पर बल दिया। तांगला में, ईएम डॉ. स्वर्गियारी ने चल रही परियोजनाओं की वर्तमान स्थिति और भविष्य की पहलों को सुव्यवस्थित करने की रणनीतियों के बारे में विभागीय कार्यकारी अभियंता, एसडीओ और एसओ के साथ विस्तृत चर्चा की।

एनआईए ने रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र किया दाखिल

नई दिल्ली (हिंस)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने सोमवार को बेंगलुरु रामेश्वरम कैफे विस्फोट मामले में चार आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल कर दिया है। चारों को पहले गिरफ्तार किया गया था और वर्तमान में वे न्यायिक हिरासत में हैं। यह जानकारी एनआईए ने दी। एनआईए ने आरोपियों की पहचान मुसाविर हुसैन शाजिब, अब्दुल मथीन अहमद ताहा, माज मुनीर अहमद और मुजम्मिल शरीफ के रूप में की है। इन आरोपियों पर आईपीसी, यूए(पी) अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और पीडीएलपी अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आरोपपत्र दाखिल किया गया है। इस मामले की जांच अभी जारी है। एनआईए के मुताबिक, इस साल 1 मार्च को रामेश्वरम कैफे, ब्रुकफील्ड, आईटीपीएल बेंगलुरु में हुए आईईडी विस्फोट में नौ लोग घायल हो गए थे और होटल की संपत्ति को भारी नुकसान पहुंचा था। इस मामले में एनआईए ने 3 मार्च को मामले की जांच शुरू की और विभिन्न राज्य पुलिस बलों व अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय में जानकारी हासिल की। एनआईए के जांच में पता चला कि शाजिब वह व्यक्ति था, जिसने बम लगाया था। वह और ताहा पहले ही 2020 में अल-हिंद मॉड्यूल के भंडाफोड़ के बाद से फरार हो गए थे।

असम के मुख्यमंत्री हिमंता पहुंचे रांची, भाजपा नेताओं ने किया स्वागत

रांची (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री और झारखंड भाजपा के चुनाव सह प्रभारी हिमंत विश्व शर्मा सोमवार को रांची पहुंचे। नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी, राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश सहित कई भाजपा के नेताओं ने एयरपोर्ट पर उनका स्वागत किया। एयरपोर्ट से बाहर आते ही हिमंता विश्व शर्मा से संवाददाताओं ने पूछा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन कह रहे हैं कि विपक्ष उन्हें फांसी पर लटकाना चाहता है। इसपर जवाब देते हुए हिमंता ने कहा कि हेमंत सोरेन दीर्घायु हों क्योंकि देश को उनकी जरूरत है। भाजपा क्यों उन्हें फांसी पर लटकाना चाहेगी। भाजपा तो सिर्फ हेमंत सोरेन से घुसपैठ रोकने के लिए कह रही है। साथ ही उत्पाद सिपाही में दौड़ने के दौरान जिन युवाओं की मौत हुई है, उनके परिजनों को एक नौकरी और 50 लाख रुपए मुआवजा देने की मांग कर रही है लेकिन हेमंत सोरेन ये नहीं करके कह रहे हैं कोरोना वैक्सीन से इनकी मौत हुई है तो स्टोरॉइड लेने से मौत हुई है। हिमंता ने कहा कि बांग्लादेशी का मुद्दा इसलिए वे हमेशा उठा रहे हैं। क्योंकि, जब वह पाकुड़ गए तब उन्हें पता चला कि पहले वहां हिंदू विधायक होते थे लेकिन अब मुस्लिम विधायक बनते हैं। उन्होंने पाकुड़ के डीसी से पूछा है कि वह बताएं कि कैसे डेमोग्राफी बदल गई।

श्रद्धालुओं ने मचकुंड सरोवर में लगाई आस्था की डुबकी

धौलपुर (हिंस)। तीर्थराज मचकुंड सरोवर का वार्षिक लक्खी मेला सोमवार को पर्व स्नान के साथ संपन्न हो गया। दो दिन तक चले मेले में बडी संख्या में श्रद्धालुओं ने पवित्र सरोवर में डुबकी लगाई। मचकुंड मेले के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा के लिए प्रशासन की ओर से माकूल इंतजाम किए गए थे। पूर्वी राजस्थान के लक्खी मेलों में शुमार मचकुंड मेले में आज देवछठ के मौके पर पर्व स्नान हुआ। मेले में श्रद्धालुओं के पंहुचने का क्रम ऋषि पंचमी से ही शुरू हो गया था,जो आज शाम तक जारी रहा। श्रद्धालुओं ने अल सुबह मचकुंड सरोवर में पवित्र स्नान किया। इसके बाद पूरे विधि विधान के साथ में नव दंपत्ति के मौहर और मौहरियां जल में विसर्जित कीं। इस दौरान महिलाओं ने परम्परागत रुप से मंगल गीत गाए तथा सरोवर के किनारों पर बने मंदिरों पर पूजा अर्चना भी की। सबसे ज्यादा भीड लाडली जगमोहन मंदिर,

रानी गुरू मंदिर, पुरानी छावनी वालों के मंदिर और प्राचीन जगन्नाथ मंदिर में रही। मेले में श्रद्धालुओं की भारी तादाद के कारण मचकुंड सरोवर के किनारे बने घाटों पर तिल रखने को भी जगह नहीं बची थी। ऐसा ही हाल परिक्रमा मार्ग में बने प्राचीन बरामदों और मंदिरों का भी रहा। श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था और विस्वास के साथ में मचकुंड महाराज की आरती उतारी तथा परिक्रमा भी लगाई। परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं ने गुरूद्वारा शेर शिकार दाताबंदी छोड में आयोजित लंगर में प्रसाद ग्रहण किया तथा वापसी में शाह अब्दाल शाह बाबा के दरबार में अपनी हाजिरी भी लगाई। मचकुंड मेले के दौरान जिलाधिकारी श्रीनिधि बी टी और एसपी सुमित मेहरडा ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मेले के दौरान विभिन्न सामाजिक और व्यापारिक संस्थाओं की ओर से भण्डारे में भोजन तथा पेयजल की व्यवस्था की गई। मचकुंड मेले में पुलिस, आरएसी तथा होमगार्ड के अलावा यातायात पुलिस तथा सकाउट की टीम ने व्यवस्थाएं संभाली।

पृष्ठ एक का शेष

टेक्सास में दिए बयानों पर घिरते ...

अपराध है। कोई भी देशभक्त ऐसा नहीं कर सकता। लेकिन लगता है कि कांग्रेस की लगातार तीसरी हार से राहुल गांधी हताश हो गए हैं। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि देश में मैन्युफैक्चरिंग बढ़ रही है। जो निर्यात केवल 19 लाख करोड़ रुपए का था और अभी निर्यात 75 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा हो गया है। राहुल गांधी अमेरिका जाकर विपक्ष के नेता होने के बावजूद चीन की ब्रांडिंग कर रहे हैं। जो कोई भी विदेश में भारत को गाली देता है। वह देश का दुश्मन होगा, वह विपक्ष का नेता नहीं हो सकता। ऐसे लोगों पर देशद्रोह का मुकदमा चलाना चाहिए।

प्रधानमंत्री और क्राउन प्रिंस के ...

है। उन्होंने आज महात्मा गांधी को राजघाट पर जाकर श्रद्धांजलि अर्पित की। इसके बाद वे कल एक बिजनेस फोरम में भाग लेने के लिए मुंबई जाएंगे, जिसमें दोनों देशों के कारोबारी नेता भाग लेंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और यूएई के बीच ऐतिहासिक रूप से घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं। हाल के वर्षों में, भारत और यूएई के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी राजनीति, व्यापार, निवेश, कनेक्टिविटी, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी, शिक्षा और संस्कृति सहित कई क्षेत्रों में गहरी हुई है। क्राउन प्रिंस की यात्रा भारत-यूएई द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करेगी और नए और उभरते क्षेत्रों में साझेदारी के लिए रास्ते खोलेगी।

कवि कुमार विश्वास को मिली ...

प्रवीण पांडेय ने पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराई है। एसीपी स्वतंत्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने प्राथमिकी दर्ज कर कॉलर के नंबर के आधार पर जांच शुरू कर दी गई। जांच में पता चला है कि कॉल मुंबई से आई थी और कॉलर उस समय शराब के नशे में थे। जल्द ही कॉलर की गिरफ्तारी की जाएगी। मैनेजर ने प्रवीण ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि उनकी और डॉ. विश्वास की जान को खतरा है। कॉलर ने न तो अपना नाम बताया और न ही किसी संगठन का नाम लिया। वह सीधे डॉ. विश्वास का नाम लेकर गाली गलौज की और राम कथा करने पर उन्हें जान से मारने की धमकी दी। मैनेजर ने कहा है कि धमकी प्रकृति को देखते हुए इसे गंभीरता से लेना जरूरी है और इस संबंध में वह हर समय पुलिस का सहयोग करने के लिए तैयार हैं। डॉ. विश्वास इंदिरापुरम थानाक्षेत्र के वसुंधरा इलाके में रहते हैं। तहरीर में कहा गया है कि कॉलर ने बहुत ही अपमानजनक भाषा का प्रयोग किया और करते हुए डॉ. विश्वास को धमकी दी है। इस धमकी के बाद मेरी और डॉ. विश्वास की सुरक्षा को लेकर खतरा उत्पन्न हो गया है।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने एनईपी ....

करने का आरोप लगाया है। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने स्टालिन के एक्स पर साझा किये गये पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए लिखा कि लोकतंत्र में राज्यों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा का हमेशा स्वागत है। हालांकि, किसी बात को मनवाने के लिए राज्यों को एक-दूसरे के खिलाफ खड़ा करना संविधान की भावना और एकीकृत भारत के मूल्य के खिलाफ है। एनईपी 2020 को व्यापक परामर्श के माध्यम से तैयार किया गया था और इसमें भारत के लोगों की सामूहिक बुद्धि है। प्रधान ने स्टालिन के एनईपी के सिद्धांतवादी विरोध पर कुछ सवाल खड़े करते हुए कहा कि क्या आप तमिल सहित मातृभाषा में शिक्षा का विरोध कर रहे हैं? क्या आप तमिल सहित भारतीय भाषाओं में परीक्षा आयोजित करने का विरोध कर रहे हैं? क्या आप तमिल सहित भारतीय भाषाओं में पाठ्यपुस्तकों और सामग्री के निर्माण का विरोध कर रहे हैं? क्या आप एनईपी के समग्र, बहु-विषयक, न्यायसंगत, भविष्योन्मुखी और समावेशी ढांचे का विरोध कर रहे हैं? उन्होंने आगे कहा कि यदि ऐसा नहीं है तो आपसे आग्रह है कि आप अपने राजनीतिक लाभ से ज़्यादा तमिलनाडु के छात्रों के हितों को प्राथमिकता दें और एनईपी को लागू करें।

मणिपुर में छात्रों ने घेरा ...

नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी। राज्य के सुरक्षा प्रबंधन में बदलाव की मांग को लेकर बड़ी संख्या में छात्र इंफाल की सड़कों पर उतर आए। यह छात्र मौजूदा सुरक्षा सलाहकार को मणिपुर से हटकर संयुक्त कमान का नियंत्रण पूरी तरह राज्य सरकार के हाथ में देने की मांग कर रहे थे। छात्र अपनी मांगों को लेकर राजभवन के सामने प्रदर्शन किया।छात्रों का कहना था कि सुरक्षा सलाहकार मणिपुर के लोगों को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रहे हैं। इसीलिए मौजूदा संकट से निपटने के लिए स्थानीय चुनी हुई सरकार को पूरा अधिकार दिया जाना चाहिए। बाद में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने छात्रों के प्रतिनिधिमंडल को बुलाकर उनके साथ बातचीत की। उन्होंने छात्रों को आश्वासन दिया कि स्थिति को नियंत्रित करने के लिए सरकार हर संभव उपाय करेगी। उन्होंने कहा कि केंद्र तथा राज्य सरकार मणिपुर में स्थाई शांति बहाल करने को लेकर प्रतिबद्ध है। थौबल में भी बड़ी संख्या में छात्रों ने जिला उपायुक्त कार्यालय पर प्रदर्शन किया। आक्रोशित छात्र जिला उपायुक्त के कार्यालय की छत पर चढ़कर कार्यालय के ऊपर लगे राष्ट्रीय ध्वज को उतारकर दिया और उसके स्थान पर स्थानीय झंडा फहरा दिया। हजारों छात्रों के आगे सुरक्षा बलों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा। छात्रों को नियंत्रित करने के लिए पुलिस को हवाई फायरिंग करनी पड़ी।

भारतीय लेखा परीक्षा एवं लेखा...

भी आरोप है कि वह भ्रष्ट गतिविधियों में लिप्त रहा है और उसने जानबूझकर आपराधिक कदाचार का अपराध करके खुद को अवैध रूप से समृद्ध किया है। उसने अपनी आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित की है। आरोपी अधिकारी ने कथित तौर पर 31.08.2007 से 31.05.2024 की अवधि के दौरान अपने और अपनी पत्नी के नाम पर 3,89,53,980 (लगभग) रुपए की अचल/चल संपत्ति अर्जित/संचित की है। यह भी आरोप लगाया गया है कि 31.08.2007 से 31.05.2024 तक की जांच अवधि के दौरान आरोपी की डीए राशि 1,47,50,143-रुपये (लगभग) है।

कैंसर की दवा एवं नमकीन ...

सुषमा स्वराज भवन में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक के बाद पत्रकारों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी परिषद ने कैंसर की दवाओं पर जीएसटी की दर को 12 फीसदी से घटाकर पांच फीसदी किया है, जबकि नमकीन पर जीएसटी 18 फीसदी से घटाकर 12 फीसदी करने की सिफारिश की गई है। उन्होंने कहा कि अब केंद्र और राज्य से मान्यता प्राप्त यूनिवर्सिटीज और रिसर्च सेंटर को ग्रांट लेने पर जीएसटी नहीं चुकाना होगा। वित्त मंत्री ने आगे कहा कि परिषद की बैठक में दो नए मंत्रियों का समूह (जीओएम) गठित किया गया है। इसमें एक जीएमओ चिकित्सा और स्वास्थ्य बीमा पर गठित किया गया है। ये जीओएम बिहार के उप-मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में दर युक्तिकरण जीओएम होगा लेकिन इस सीमित उद्देश्य के लिए नए सदस्यों को जोड़ा जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने उनसे कहा है कि वे इस मामले को देखेंगे और अक्तूबर 2024 के अंत तक एक रिपोर्ट लेकर आएंगे। नवंबर में होने वाली जीएसटी परिषद इस रिपोर्ट के आधार पर अंतिम निर्णय लेगी जो कि जीओएम से आएगी। सीतारमण ने कहा कि मार्च 2026 के बाद आने वाले क्षतिपूर्ति उपकर के मुद्दे पर विचार करने के लिए भी मंत्री समूह का गठन किया गया है। वित्त मंत्री ने कहा कि आईजीएसटी (एकीकृत जीएसटी) पर अतिरिक्त सचिव (राजस्व) की अध्यक्षता में सचिवों की एक समिति बनाई जाएगी। इसमें वर्तमान में असंतुलन की स्थिति है। यह राज्यों से राशि वापस लेने के तरीकों पर गौर करेगी। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आज नई दिल्ली में सुषमा स्वराज भवन में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक की अध्यक्षता की। वित्त मंत्री के साथ-साथ केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी, गोवा और मेघालय के मुख्यमंत्री, अरुणाचल प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश और तेलंगाना के उप-मुख्यमंत्री, राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (विधानसभा सहित) के वित्त मंत्री और केंद्र सरकार और राज्यों के वरिष्ठ अधिकारी तथा वित्त मंत्रालय के अधिकारी भी बैठक में भाग ले रहे हैं।

तापमान
अधिकतम 33°
न्यूनतम 26°

कांग्रेस वोट के लिए निचले असम की तरह ऊपरी असम में भी घुसपैठियों के पक्ष में : भाजपा

शादुल्ला की अनुप्रवेश नीति को कांग्रेस का समर्थन : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। प्रदेश भाजपा ने कहा है कि असम प्रदेश कांग्रेस कमेटी (एपीसीसी) ने सांप्रदायिक राजनीति करने के लिए असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा की निंदा करते हुए निंदा प्रस्ताव पारित करके एक बार फिर साबित कर दिया है कि वह आक्रामक और कट्टरपंथी ताकतों के पक्ष में है। अगर मुख्यमंत्री और भाजपा निचले असम के बाद ऊपरी असम में एक विशेष समुदाय के आक्रमण का विरोध करने के लिए सांप्रदायिक हैं, तो हमें इस बारे में कुछ नहीं कहना है। स्वदेशी लोगों की रक्षा के लिए हम जरूरत पड़ने पर ऐसे सांप्रदायिक बयान एक हजार बार देने के लिए तैयार हैं। दरअसल, कांग्रेस अपने वोट बैंक को मजबूत करने के लिए ऊपरी असम में भी विशेष समुदाय का प्रभुत्व चाहती है। भारतीय जनता पार्टी के लिए मुख्य बात राज्य के स्वदेशी लोगों की ओर से एक स्टैंड लेना है। कांग्रेस पार्टी ने हमेशा बांग्लादेशी घुसपैठियों को असम में बसाने के लिए सैयद शादुल्ला द्वारा अपनाई गई नीति का समर्थन किया है। अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को हमेशा कांग्रेस पार्टी के वोट बैंक के रूप में पहचाना जाता रहा है। इसलिए, कांग्रेस केवल मियां मुसलमानों के हित में काम करती रही है और मूल निवासियों के पक्ष में कोई रुख नहीं अपना सकती। कांग्रेस ने हमेशा निचले असम के धुबड़ी, ग्वालपाड़ा, बरपेटा और मध्य असम के नगांव और मोरीगांव जिलों सहित विभिन्न क्षेत्रों में कुछ समुदायों के प्रभुत्व से मूल निवासियों के लिए उत्पन्न खतरे को न देखने का नाटक किया है। इसलिए, कांग्रेस ने कभी भी कुछ धार्मिक समुदायों के लोगों द्वारा असम की वैष्णव संस्कृति के गढ़ बटद्रवा और बरपेटा में घुसपैठ का विरोध नहीं किया। यह सच है कि यह घुसपैठ कांग्रेस के शासन के दौरान हुआ था। कांग्रेस के शासन के दौरान, मूल निवासियों के पक्ष में कोई सरकारी निर्णय नहीं लिया गया। कांग्रेस का एकमात्र संसाधन तुष्टिकरण की राजनीति है। लोग जानते हैं कि भारतीय जनता पार्टी सत्ता में बने रहने के लिए कभी भी तुष्टिकरण की राजनीति नहीं करती है। कांग्रेस हमेशा धार्मिक अल्पसंख्यक कट्टरपंथी राजनीति में लिप्त रही है। असम प्रदेश भाजपा ने कहा है कि 2014-15 के मुकाबले 2024-25 में राज्य की जीडीपी में 600 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। कांग्रेस के शासन में राज्य में बुनियादी ढांचे के विकास की दुखद तस्वीर सामने आने के बावजूद मौजूदा मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में असम बेहतर स्थिति की ओर बढ़ रहा है। राज्य के लोगों की प्रति व्यक्ति आय कांग्रेस के शासन में 2015-16 में 48 हजार 465 रुपए से बढ़कर 2023-24 में भारतीय जनता पार्टी के शासन में एक लाख 35 हजार 787 रुपए हो गई। आर्थिक स्थिति पर टिप्पणी करने से पहले इन तथ्यों को समझना कांग्रेस के लिए बेहतर होगा। 2015-16 में कांग्रेस के शासन में 35 हजार 690.22 करोड़ रुपए के कर्ज के मुकाबले असम की जीडीपी दो लाख 24 हजार 236 करोड़ रुपए थी। इसके विपरीत, 2023-24 में राज्य का सकल घरेलू उत्पाद बढ़कर पांच लाख 70 हजार 243 करोड़ रुपए हो गया है। इस अवधि के दौरान, राज्य सरकार के खनन का सकल घरेलू उत्पाद में केवल 23.47 प्रतिशत हिस्सा था। कांग्रेस पार्टी को शायद यह नहीं पता कि एएफआरबीएम अधिनियम के तहत, असम 32 प्रतिशत तक उधार ले सकता है। हालांकि, 2015-16 में, कांग्रेस के शासन के दौरान ऋण दर सकल घरेलू उत्पाद के 40 प्रतिशत तक पहुंच गई थी। कांग्रेस नेतृत्व शायद इन बातों को भूल गया है। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने वादे के मुताबिक अब तक एक लाख से अधिक बेरोजगार युवाओं को सरकारी नौकरी देने में सफलता पाई है। ये खबरें शायद कांग्रेस नेतृत्व को पता न हों। वे अखबार पढ़कर ये खबरें जुटा सकते हैं।

असम राइफल्स पब्लिक स्कूल समेत विभिन्न स्कूलों में मना शिक्षक दिवस

विश्वनाथ (विभास)। असम राइफल्स ने असम में असम राइफल्स पब्लिक स्कूल, हाफलोंग और ज्ञान विकास अकादमी, लोखरा में शिक्षक दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया और शिक्षकों को श्रद्धांजलि दी और प्रसिद्ध शिक्षाविद और भारत के दूसरे राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती मनाई। समारोह के आयोजनों की शुरुआत डॉ. राधाकृष्णन और शिक्षा के क्षेत्र में उनके अतुलनीय योगदान को याद करने के साथ हुई। इस अवसर पर छात्र और संकाय सदस्य उनकी विरासत का सम्मान करने के लिए एकत्र हुए। छात्रों ने जीवंत सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की श्रृंखला प्रस्तुत कर समारोह को यादगार बना दिया। एक विशेष खंड में, युवा छात्रों के दिमाग को आकार देने में उनके समर्पण और अथक प्रयासों की स्वीकृति में, असम राइफल्स द्वारा शिक्षकों को सम्मानित किया गया। समारोह मिठाइयों के वितरण के साथ समापन हुआ और शिक्षकों और छात्रों ने इस दिन को उत्साहपूर्वक मनाया।

अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान एक सौ से अधिक घरों को तोड़ा गया

गुवाहाटी (हिंस)। संदिग्ध नागरिकों के खिलाफ कामरूप (मेट्रो) जिला प्रशासन द्वारा सोमवार को सोनपुर राजस्व चक्र कार्यालय अंतर्गत कसुतली और सोनापुर पथार इलाके में अभियान चलाया गया। अभियान के दौरान एक और जहां एक सौ से अधिक घरों को जमींदोज कर दिया गया, वहीं अवैध रूप से जमीन कब्जा कर खेती की जा रही जमीन पर जिला प्रशासन द्वारा ट्रैक्टर चला दिया गया। आज सुबह सोनपुर के कसुतली और सोनापुर पथार के सरकारी भूमि, संरक्षित चारागाह, जनजातियों के लिए संरक्षित भूमि पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने के लिए पुलिस की एक बड़ी टीम अर्धसैनिक बलों के साथ पहुंची। मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में 6 जगह पर अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान जहां एक सौ से अधिक घरों को तोड़ा गया वहीं तीन ट्रैक्टर के जरिए अवैध रूप से सरकारी जमीन पर की गई खेती को भी नष्ट किया गया। ऑल असम ट्राइबल संघ, डिमोरिया छात्र संगठन के अलावा स्थानीय विभिन्न दल एवं संगठन के द्वारा काफी लंबे समय से जनजातियों के लिए संरक्षित जमीन पर अवैध रूप के किए गए कब्ज़ा को हटाने की मांग कर रहे थे। जिसको देखते हुए जिला प्रशासन द्वारा अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया गया। संगठन के लोगों ने कहा कि डिमोरिया उन्नयन खंड अंतर्गत 12 पंचायतों में से सोनापुर कमारकुची, बरुवाबाड़ी, हाहरा, तेतरिया और टोपाटोली गांव पंचायत इलाके में अवैध तरीके से 500 से अधिक परिवार सरकारी और ट्राइबल ब्लॉक एंड बेल्ट की जमीन पर रह रहे हैं। डिमोरिया इलाके में 145 गांव हैं। जिसमें 112 गांव जनजाति लोगों के लिए संरक्षित किए गए हैं। ज्ञात हो कि 22 से 24 अगस्त के बीच कसुतली और सोनापुर इलाके में जिला प्रशासन द्वारा 11 घरों को तोड़ा गया था। जो अवैध रूप से बनाया गया था। उल्लेखनीय है कि रात में कुछ दिन पहले तीन ट्रैक्टर के जरिए सोनपुर के कसुतली इलाके में संदिग्ध नागरिक घर का पूरा सामान लेकर रातों-रात घर बनाने के लिए पहुंचे थे। जिन्हें स्थानीय दल एवं संगठनों द्वारा पकड़ कर सोनापुर पुलिस को सौंप दिया गया था। जिसके बाद अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाने की मांग काफी तेज हो गई थी।

अक्टूबर से रूपसी एयरपोर्ट पर फिर से शुरू होगी विमान सेवा, केंद्र ने दी हरी झंडी

कोकराझाड़ (हिंस)। निचले असम के कोकराझाड़ और धुबड़ी जिलों के मध्य स्थित रूपसी एयरपोर्ट पर एक फिर से विमान सेवाएं शुरू होने का रास्ता साफ हो गया है। अक्टूबर माह से रूपसी एयरपोर्ट से हवाई जहाज उड़ान भरेंगे। यह बात केंद्रीय नागरिक उड्डयन राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने स्थानीय सांसद को लिखे में पत्र में दी है। दरअसल, कोकराझाड़ के सांसद जयंत बसुमतारी ने संसद में रूपसी एयरपोर्ट का मुद्दा उठाया था। जिसे लेकर नागरिक उड्डयन मंत्रालय के राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल ने सांसद बसुमतारी को एक पत्र लिखा है। इस पत्र में उन्हें सूचित किया गया है कि अक्टूबर माह से एलायंस एयर उणान 5.3 के तहत रूपसी एयरपोर्ट से विमानों को संचालित करेगा। उल्लेखनीय है कि द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान बना रूपसी हवाई अड्डा तीन दशकों तक बंद रहा था। तीन दशक बाद वर्ष 2021 में पुन: रूपसी हवाई अड्डा शुरू हो गया था। इसके ढाई साल बाद फ्लाई बिग कंपनी ने जुलाई 2023 में उड़ान सेवाएं बंद कर दिया था। एक साल तक बंद रहने के बाद रूपसी एयरपोर्ट के अस्तित्व को लेकर कई सवाल खड़े हो रहे थे। कंपनी एलायंस एयर ने पिछले कुछ दिनों में कई उड़ानों की घोषणा की थी लेकिन यह संभव नहीं हो पा रहा था। हाल ही में केंद्रीय मंत्री की घोषणा के बाद एक बार फिर रूपसी एयरपोर्ट के लिए उम्मीद की किरण जगी है।

छात्रावास में मृत मिला आईआईटी का छात्र

गुवाहाटी (हिंस)। स्थानीय भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) के बीटेक कंप्यूटर साइंस के तीसरे वर्ष के छात्र बिमलेश कुमार सोमवार सुबह ब्रह्मपुत्र छात्रावास में अपने कमरे में मृत पाया गया। उत्तर प्रदेश के रहने वाले 21 वर्षीय छात्र के कथित तौर पर आत्महत्या करने की बात कही जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट से हो सकता है। परिजनों को सूचना दे दी गई है। पुलिस स्थिति की गहन जांच करने के लिए संस्थान के अधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रही है। इससे पहले एक महीने पूर्व भी इसी संस्थान में 9 अगस्त को उत्तर प्रदेश की एम टेक की छात्रा सौम्या भी अपने छात्रावास के अपने कमरे में मृत मिली थी। आईआईटी गुवाहाटी के छात्रों के आत्महत्या की वारदात की घटनाओं से छात्रों और परिजनों की चिंताएं बढ़ गई हैं।

एमवे का नई अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं की स्थापना के लिए चार मिलियन निवेश

गुवाहाटी। एमवे इंडिया ने 4 मिलियन डॉलर के निवेश के साथ आज औपचारिक रूप से भारत भर में अपनी चार अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) प्रयोगशालाओं की शुरुआत की। उन्नत प्रौद्योगिकी, समकालीन विज्ञान और वैज्ञानिक विचार नेतृत्व का उपयोग करके, ये प्रयोगशालाएं सुरक्षित, प्रभावी, विशिष्ट और उच्चगुणवत्ता वाले स्वास्थ्य और खुशहाली के उत्पादों को विकसित करके उद्योग मानकों को पुनर्परिभाषित करने के लिए तैयार हैं, जिनका उद्देश्य भारत और दुनिया भर में लोगों के स्वास्थ्य और खुशहाली का समर्थन करना है। यह दुनिया भर में एमवे के चार अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) केंद्रों में से एक है और इस में पोषणविज्ञान पर भारी ध्यान दिया गया है। यह रणनीतिक कदम एमवे के उपभोक्ताओं की बदलती स्वास्थ्य और खुशहाली से जुड़ी आवश्यकताओं को पूराकरने के प्रयासों के अनुरूप है, जो लाखों लोगों को मनचाही खुशहाली प्राप्त करने में समर्थ बनाता है और सभी के लिए स्वस्थ भविष्य को बढ़ावा देता है। एमवे की गुरुग्राम, चेन्नई, बैंगलोर और दिंडीगुल में स्थित चार अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाएं कुल मिलाकर 24,700 वर्गफुट के विशाल क्षेत्र पर फैली हुई हैं। ये वैज्ञानिक खोज और अभिनव उत्पाद विकास काशक्तिशाली केंद्र बनाती हैं। एमवे इंडिया के व्यावसायिक दृष्टिकोण से इस निवेश के बारे में बात करते हुए, एमवे इंडिया के प्रबंध निदेशक राजनीश चोपड़ा ने कहा कि भारत में पोषण और स्वास्थ्य के प्रति परिवर्तनकारी दृष्टिकोण की आवश्यकता है, क्योंकि यहां का स्वास्थ्य परिदृश्य पोषण, जीवनशैली और पेट के स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रहा है। यह निवेश एमवे इंडिया की उत्पाद विकासक्षमताओं को बढ़ाता है और एमवे को भारत और दुनिया भर में अपने उपभोक्ताओं और व्यवसायों की विशिष्ट और उभरती जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए तैयार करता है। भारत में अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं की शुरुआत करते हुए, एमवे के भारत और दक्षिण पूर्व एशिया बाजारों के नवाचार और विज्ञान निदेशक डॉ. श्याम रामकृष्णन ने कहा कि दुनियाभर में स्वास्थ्य, कल्याण और पोषण के बारे में बढ़ती जागरूकता के जवाब में, अत्याधुनिक अनुसंधान और विकास प्रयोगशालाओं में किया गया यह निवेश वैश्विक बाजारों में उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए अच्छीतरह से तैयार है। एमवे आधुनिक पोषण, स्वास्थ्य और खुशहाली की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए चार प्रमुख क्षेत्रों में नवाचारी, प्लांट बेस्ड फार्मूलेशन प्रदान करने के लिए समर्पित रहकर काम कर रही है।

रंगिया में सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका के जन्मोत्सव पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी रंगिया की अग्रणी स्वयंसेवी संस्था %साधना% द्वारा सुधाकंठ, भारतरत्न डॉ. भूपेन हजारिका का जन्मदिवस विभिन्न कार्यक्रमों के साथ मनाया गया। रंगिया के बीचों बीच स्थित रायज़मेल कृषक शहीद भवन प्रांगण मे आयोजित इस कार्यक्रम के अंतर्गत सुबह 8.00 बजे सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका की छवि पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलन अवसर प्राप्त अध्यापक तथा राइजमेल कृषक स्मृति रक्षा समिति के सचिव पविन कलिता द्वारा किया गया। इसके पश्चात सुबह 8.08 बजे बच्चों द्वारा भूपेंद्र संगीत, कविता पाठ एवं नृत्य की प्रस्तुतियां दी गई। इसके बाद सुबह 8.30 बाजे नियमित योगाभ्यास प्रशिक्षार्थियों द्वारा भूपेंद्र संगीत का परिवेशन। सुबह 8.50 बजे मुख्य अतिथि रंगिया स्वस्ति अस्पताल के प्रबंध निदेशक डॉ. हितेंद्र कलिता द्वारा भाषण दिया गया जिसका विषय सु-नागरिक होने के क्षेत्र में भूपेंद्र संगीत की भूमिका। इसके बाद सुबह 9.10 बजे-साधना योग महाविद्यालय के शिक्षकों एवं प्रशिक्षुओं द्वारा भूपेंद्र संगीत की प्रस्तुति और सुबह 9.20 बजे आमंत्रित अतिथि जानेमाने दंत चिकित्सक डॉ. खबीरुदीन अहमद और रंगिया महाविद्यालय की रानू चौधुरी द्वारा भाषण प्रस्तुत किया गया। इसके पश्चात सुबह 9-30 बज शांति मंत्र के साथ कार्यक्रम का समापन किया गया। कार्यक्रम में उपस्थित रहकर सहयोग प्रदान करने के लिए साधना के सचिव योगाचार्य ज्योतिष कलिता द्वारा सभी को धन्यवाद दिया गया है।

नगांव में धूमधाम से मनाया गया सुधाकंठ भूपेन हजारिका का 98वां जन्मोत्सव

बिनोद खेतावत सहित अन्य तीन सम्मानित

नगांव (निसं)। सांस्कृतिक महासभा नगांव के तत्वावधान मे शहीद भवन में रविवार को सुधाकंठ भूपेन हजारिका की 98वीं जयंती मनाई गई। सुबह से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए। अपराह्न आयोजित एक समारोह मे नगांव के वरिष्ठ पत्रकार कनक हजारिका, समाजसेवी विनोद कुमार खेतावत, समाजसेवी जून राजखोवा को उनके उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। सभी को प्रशस्ति पत्र, फुलाम गामोछा, अंगवस्त्र और प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया। इस मौके पर सांस्कृतिक महासभा के प्रदेश अध्यक्ष पवित्र कुमार शर्मा, शिक्षाविद् व पूर्व विधायक गिरींद्र कुमार बरुवा, दिसपुर महाविद्यालय के अध्यापक डॉ. संजीव कुमार शर्मा आदि उपस्थित थे। इस कार्यक्रम की मेजबानी महासभा के महासचिव प्रदीप कुमार बोरा, समन्वयक खगेन नाथ और नगांव जिला समिति के अध्यक्ष भबेन बोरा ने की। उक्त कार्यक्रम में कलाकारों ने भूपेन हजारिका के गीतों की प्रस्तुति दी। गीतो का कार्यक्रम संगीत शिल्पी समाज द्वारा प्रस्तुत किया गया। उल्लेखनीय है कि समाज सेवी विनोद कुमार खेतावत नि:शुल्क आक्सीजन सेवा और परित्यक्त मूर्ति के विसर्जन के क्षेत्र मे कार्य करने के लिए जाना पहचाना नाम है।

पर्यटन और रोमांच को बढ़ाने के लिए बीटीसी की प्रतिबद्धता पर ईएम ने दिया जोर

विकसित भारत समाचार

कोकराझाड़। बीटीआर में अपनी प्राकृतिक सुंदरता, विविध वनस्पतियों और जीवों तथा पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए कई राष्ट्रीय उद्यानों के साथ अपार संभावनाएं हैं। बीटीसी पर्यटन मानचित्र पर बीटीआर को स्थान दिलाने तथा पर्यटन और आतिथ्य क्षेत्र में अधिक अवसर पैदा करने के लिए प्रतिबद्ध है, बीटीसी पर्यटन ईएम धर्म नारायण दास ने कहा। कोकराझाड़ में पर्यटन सीएचडी के सम्मेलन हॉल में आज आयोजित व्हाइट-वाटर रिवर राफ्टिंग गाइड और सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम के समापन पर बोलते हुए ईएम दास ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बीटीआर में कई ऐसे स्थान हैं जहां पैराग्लाइडिंग और वाटर राफ्टिंग जैसी गतिविधियां पर्यटन को काफी बढ़ावा दे सकती हैं। उन्होंने बोगामाटी में वाटर राफ्टिंग और पैराग्लाइडिंग के लिए मौजूदा सुविधाओं का भी उल्लेख किया। बीटीसी पर्यटन विभाग ने 5 से 9 सितंबर, 2024 तक कोचुगांव के रायमोना नेशनल पार्क में संकोश नदी पर इस व्हाइट-वाटर रिवर राफ्टिंग गाइड और सुरक्षा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रशिक्षण के बाद, ईएम धर्म नारायण दास और अन्य अतिथियों ने 15 प्रशिक्षुओं को प्रशिक्षण पूरा होने के प्रमाण पत्र वितरित किए। ये प्रयास बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोरो के पर्यटन मानचित्र पर बीटीआर को ऊपर उठाने और क्षेत्र में युवाओं के लिए अधिक अवसर पैदा करने के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप हैं। बीटीसी पर्यटन सीएचडी जयंत कुमार शर्मा द्वारा आयोजित बैठक में बीटीसी संयुक्त सचिव पामी ब्रह्मा, असम के राफ्टिंग और एडवेंचर वाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के अध्यक्ष नौशाद हुसैन और उत्तराखंड से राफ्टिंग ट्रेनर हरीश नेगी ने भाग लिया।

संपादकीय

पहलवानों का राजनीतिक कदम

देश के प्रख्यात, चैम्पियन पहलवानों-बजरंग पूनिया और विनेश फोगाट-ने अचानक ही कांग्रेस का 'हाथ' नहीं थामा है। कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, बेशक, उन्हें 'खलनायक' करार दें अथवा युवा-नाबालिग पहलवान बेटियों के यौन उत्पीडऩ के खिलाफ उनके आंदोलन को 'कांग्रेसी साजिश' कहें, लेकिन दोनों ही पहलवान, अपने-अपने वर्गों में, अद्वितीय रहे और उन्हें भारत की आन-बान-शान माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी स्तर पर उनसे मुलाकातें कीं और सहयोग का हर हाथ बढ़ाया। बेशक कांग्रेस के साथ जुडऩा और कांग्रेस की ही राजनीति करना विनेश और बजरंग का संवैधानिक अधिकार है। वे विधायक बनें, मंत्री बनें या राष्ट्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभाएं, लेकिन भारतीय कुश्ती को अभी उनकी जरूरत थी। उनमें 'पहलवानी' शेष थी। कुश्ती के प्रति ही जुड़ाव रहना चाहिए था। विनेश ने कहा भी था कि वह 32-33 साल की उम्र तक कुश्ती लडऩा चाहती हैं। अर्थात चार साल बाद का ओलंपिक उनके मानस में था। लिहाजा पाला बदल कर राजनीति में उतरना एक 'नैतिक विकृति' है। असंख्य चैम्पियन खिलाड़ी राजनीतिज्ञ बने हैं, लेकिन आज वे सिर्फ नेता हैं। उनका खिलाड़ी का चेहरा गायब हो चुका है। अतीत के इतिहास को कौन खंगालता है? बहरहाल जंतर-मंतर पर हमने चैम्पियन पहलवानों के आंदोलन को करीब से देखा है। बेशक उसे 'खिलाडियों का आंदोलन' घोषित किया जाता रहा और वामपंथी नेता वृंदा करात को मंच से उतरने को बाध्य किया गया, लेकिन कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी के साथ विनेश, साक्षी मलिक, बजरंग आदि इस तरह बतियाते नजर आए मानो सहेलियां गप्पें मार रही हों! आंदोलन के मंच तक राहुल गांधी और दीपेंद्र हुड्डा सरीखे कांग्रेसी सांसदों को प्रवेश क्यों दिया गया? क्या वे राजनेता नहीं थे। यकीनन कुछ 'खिचड़ी' तो पक रही थी! यदि सोच और विचारधारा के स्तर पर दोनों पहलवान 'कांग्रेसी' रहे हैं, तो हमें कोई आपत्ति नहीं है। यह भी उनका मौलिक अधिकार है। देश में बीते 10 सालों से प्रधानमंत्री मोदी की सरकार सक्रिय है, लिहाजा दोनों पहलवानों को वल्ड चैम्पियनशिप, राष्ट्रमंडल और एशियाई खेलों में शिरकत करने की अनुमति और आर्थिक मदद किसने दी थी? विनेश के लिए हंगरी के विश्व विख्यात कोच के साथ अनुबंध किसने किया था और करोड़ों की फीस अदा की गई? हम मानते हैं कि यह सरकार का दायित्व था, लेकिन यह दायित्व तो देश के 145 करोड़ भारतीयों और प्रत्येक खिलाड़ी के प्रति भी था। कितनों को इतनी प्राथमिकताएं दी गईं या मिल पाती हैं? बहरहाल कुश्ती को यहीं छोड़ते हैं, लेकिन आंदोलन तो अधर में लटक जाएगा। जिस आंदोलन की खातिर विनेश ने सडक़ पर, पुलिसियों द्वारा घसीटा जाना झेल लिया, सरकार के कथित अन्याय को बर्दाश्त किया, क्योंकि सरकार अपने सांसद को बचाती रही, हमें लगता है कि विनेश भी उस आंदोलन को कभी भूल नहीं पाएंगी। अभी तो बजरंग और विनेश नए-नए नेता बने हैं, लिहाजा लच्छेदार भाषा बोल रहे हैं कि वे हर पीड़ित, शोषित खिलाड़ी बेटी के संग खड़े रहेंगे। उनकी मदद करेंगे, लेकिन यह हकीकत नहीं होगी और कुछ ही महीनों में यथार्थ सामने होगा! अब अकेली साक्षी मलिक ने आंदोलन को जारी रखने का आश्वासन देश को दिया है। देखते हैं, वह कहां तक चल पाती हैं। राजनीति में आने का ऑफर तो उन्हें भी मिला था। उन्होंने स्वीकार नहीं किया और वह आंदोलन के संकल्प पर अडिग रहीं। साक्षी भी ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता पहलवान रही हैं। विनेश को तो अभी यह जीत हासिल करनी है। उनके साथ जो भी हुआ, वह किसी और की गलती नहीं थी। ऐसी खेल प्रतियोगिताओं में खिलाड़ी को अपना वजन तय सीमा से कम ही रखना होता है। बहरहाल जो भी हुआ, वह भारत के लिए दुस्वप्न जैसा था। बहरहाल 'पहलवान से कांग्रेसी नेता' बने विनेश-बजरंग के खिलाफ भाजपा समेत कुछ दलों ने ओछी फिकरेबाजी शुरू भी कर दी है। यही हमारी राजनीति के भद्दे संस्कार हैं।

कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह, बेशक, उन्हें 'खलनायक' करार दें अथवा युवा-नाबालिग पहलवान बेटियों के यौन उत्पीडऩ के खिलाफ उनके आंदोलन को 'कांग्रेसी साजिश' कहें, लेकिन दोनों ही पहलवान, अपने-अपने वर्गों में, अद्वितीय रहे और उन्हें भारत की आन-बान-शान माना गया। प्रधानमंत्री मोदी ने निजी स्तर पर उनसे मुलाकातें कीं और सहयोग का हर हाथ बढ़ाया। बेशक कांग्रेस के साथ जुडऩा और कांग्रेस की ही राजनीति करना विनेश और बजरंग का संवैधानिक अधिकार है। वे विधायक बनें, मंत्री बनें या राष्ट्रीय स्तर पर कोई भूमिका निभाएं, लेकिन भारतीय कुश्ती को अभी उनकी जरूरत थी। उनमें 'पहलवानी' शेष थी। कुश्ती के प्रति ही जुड़ाव रहना चाहिए था। विनेश ने कहा भी था कि वह 32-33 साल की उम्र तक कुश्ती लडऩा चाहती हैं। अर्थात चार साल बाद का ओलंपिक उनके मानस में था।

घरेलू बचत में गिरावट सरकार की भी चिंता का कारण बन गई है

घरेलू बचत घटने की चिंताएं

डा. जयंती लाल भंडारी

घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि बैंकों के द्वारा जमा राशि बढ़ाने के लिए ऐसी आकर्षक ब्याज योजना लाई जानी चाहिए, जिससे बैंकों में सेविंग्स की धनराशि में तेज इजाफा हो सके। गौरतलब है कि घरेलू बचत किसी व्यक्ति की आय की वह शेष राशि है, जो उपभोग आवश्यकताओं और विभिन्न वित्तीय देनदारियों के भुगतान के बाद बचती है।

यकीनन इस समय देश में आम आदमी का पहला आर्थिक और वित्तीय सहारा कही जाने वाली घरेलू बचत में लगातार कमी आने का चिंताजनक रुझान दिखाई दे रहा है। घटती हुई घरेलू बचत के खतरे को भांपते हुए हाल ही में वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने रिजर्व बैंक के निदेशक मंडल की बैठक में कहा कि बैंकों के द्वारा जमा राशि बढ़ाने के लिए ऐसी आकर्षक ब्याज योजना लाई जानी चाहिए, जिससे बैंकों में सेविंग्स की धनराशि में तेज इजाफा हो सके। गौरतलब है कि घरेलू बचत किसी व्यक्ति की आय की वह शेष राशि है, जो उपभोग आवश्यकताओं और विभिन्न वित्तीय देनदारियों के भुगतान के बाद बचती है। घरेलू बचत को बैंक और गैर बैंक जमा, जीवन बीमा निधि, भविष्यनिधि और पेंशननिधि, पोस्ट ऑफिस की छोटी बचत योजनाओं तथा अन्य वित्तीय उपकरणों में निवेश किया जाता है। यदि हम घरेलू बचत संबंधी आंकड़ों को देखें तो पाते हैं कि जो घरेलू बचत वर्ष 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 18 फीसदी के स्तर पर थी, वह वर्ष प्रतिवर्ष घटते हुए वर्ष 2022-23 में जीडीपी के 5.2 फीसदी स्तर पर आ गई और अब यह पिछले पांच दशकों में सबसे कम स्तर पर है। स्थिति यह है कि घरेलू बचत में गिरावट सरकार की भी चिंता का कारण बन गई है। राष्ट्रीय लघु बचत प्राप्तियों के लिए इस वित्त वर्ष 2024-25 के अंतरिम बजट में 14.77 लाख करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। लेकिन 23 जुलाई को पेश किए गए वर्ष 2024-25 के पूर्ण बजट में लघु बचतों से प्राप्ति के अनुमान को घटाकर 14.20 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया है। चूंकि सरकार अपने राजकोषीय घाटे को पाटने के लिए लघु बचत योजनाओं के तहत संग्रह राशि का भी उपयोग करती है।

निःसंदेह शताब्दियों से भारत एक ऐसा देश रहा है जहां लोग कमाई का एक हिस्सा भविष्य के लिए घरेलू बचत के रूप में बचाकर रखते रहे हैं। लेकिन अब इस बचत की प्रवृत्ति में बड़ा बदलाव दिखाई दे रहा है। लोगों के द्वारा आवास, वाहन, शिक्षा तथा अच्छे आरामदायक जीवन के लिए विभिन्न प्रकार के कर्ज लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जहां परिवारों की वित्तीय देनदारियां बढऩे से घरेलू बचत सीधे तौर पर कम हुई है, वहीं आय के एक हिस्से का इस्तेमाल विभिन्न प्रकार के ऋणों के ब्याज के भुगतान के लिए भी किए जाने से घरेलू बचत कम हुई है। यह बात भी महत्वपूर्ण है कि देश में लघु बचत योजनाओं के तहत जो 40 करोड़ से अधिक बचतकर्ता हैं, उनके द्वारा भी विभिन्न लघु बचत

योजनाओं में तुलनात्मक रूप से कम ब्याज मिलने के कारण निवेश में कमी आई है। प्रमुख रूप से राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी), लोक भविष्य निधि (पीपीएफ), किसान विकास पत्र (केवीपी) और सुकन्या समृद्धि खाता जैसी अन्य योजनाओं के तहत कम निवेश प्राप्त हो रहा है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि देश में बदली हुई आयकर व्यवस्था के कारण भी आयकरदाताओं के द्वारा की जाने वाली घरेलू बचत में कमी आ रही है। इस समय देश में आयकर भुगतान की पुरानी और नई दो कर रिजीम हैं। जहां पुरानी कर रिजीम में बचत और निवेश के लिए प्रोत्साहन हैं, वहीं नई कर रिजीम में बचत के वैसे प्रोत्साहन नहीं हैं। इस समय ज्यादातर आयकरदाता नई कर रिजीम अपना रहे हैं। ज्ञातव्य है कि इस वर्ष 31 जुलाई तक आयकर आकलन वर्ष 2024-25 के लिए दाखिल किए गए कुल 7.28 करोड़ आईटीआर में से नई कर रिजीम के तहत 5.27 करोड़ रिटर्न दाखिल किए गए हैं। वहीं पुरानी कर रिजीम में दाखिल रिटर्न की संख्या 2.01 करोड़ है। इस प्रकार लगभग 72 प्रतिशत करदाताओं ने नई कर व्यवस्था को चुना है। स्पष्ट है कि नई कर व्यवस्था से बचत व निवेश की जगह उपभोग खर्च बढ़ाने की प्रवृत्ति को अधिक प्रोत्साहन मिल रहा है।

घरेलू बचत में कमी का एक कारण देश में महिलाओं के द्वारा उनके पास आने वाले धन का उपयुक्त निवेश नहीं किया जाना भी है राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) की रिपोर्ट के मुताबिक मार्च 2023 तक देश के बैंकों में कुल 252 करोड़ व्यक्तिगत खातों में से हर तीसरा खाता महिला के नाम पर है, लेकिन बैंकों में जमा कुल 187 लाख करोड़ रुपए में से सिर्फ 20 फीसदी ही महिला खातों में जमा हैं। ऐसा नहीं है कि घरेलू बचत में कमी का कारण देश में लोगों की आय में कमी आना है। वस्तुतः भारत में प्रतिव्यक्ति आय तेजी से बढ़ रही है। 10 वर्ष पहले वर्ष 2014-15 में जो प्रति व्यक्ति आय 86647 रुपए थी, वह 2023-24 में करीब 2.28 लाख रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। इस तरह तेजी से बढ़ी आय के साथ अब बड़ी संख्या में लोग अपनी बचत का ऐसी जगह पर निवेश कर रहे हैं, जहां उनको ज्यादा ब्याज और ज्यादा रिटर्न मिल रहा है। लोगों की बचत का तेज प्रवाह शेयर बाजार म्युचुअल फंड, रियल एस्टेट, महंगे वाहनों, सोने एवं बहुमूल्य धातुओं की खरीदी और आरामदायक व विलासिता के सामानों की ओर बढ़ रहा है। देश के छलांगे लगाकर बढ़ते हुए शेयर बाजार में भी तेज रिटर्न मिल रहा है। 10 वर्ष पहले जो सेंसेक्स 25 हजार के स्तर पर था, आज वह 80 हजार के ऊपर है। जुलाई 2024 में भारतीय शेयर बाजार का आकार 5.5 ट्रिलियन डॉलर हो गया है और भारत का शेयर बाजार दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शेयर बाजार है। बड़ी संख्या में लोगों के कदम म्युच्यल फंड की ओर बढ़े हैं। जून 2024 तक म्युच्यल फंड के लिए डीमैट खातों की संख्या आश्चर्यजनक रूप से बढक़र 16.2 करोड़ हो गई है।

विभिन्न आर्थिक एवं वित्तीय संगठनों की रिपोर्टों में भी इस बात का विश्लेषण किया जा रहा है कि लोगों को घरेलू बचत की योजनाओं तथा बैंकों में बचत की धनराशि जमा करने से मिलने वाले रिटर्न की तुलना में शेयर बाजार, म्यूच्युल फंड और अन्य भौतिक सम्पत्तियों में निवेश करने से अधिक रिटर्न मिल रहा है। अतएव घरेलू बचत में कमी आ रही है। यद्यपि घरेलू बचत के घटने की स्थिति चिंताजनक है, लेकिन घरेलू बचत का घटना किसी पारिवारिक या सामाजिक वित्तीय संकट की आहट नहीं है। रिजर्व बैंक के मुताबिक देश में परिवारों की वित्तीय देनदारियों में वृद्धि के बावजूद, परिवारों की बैलेंस शीट बेहतर बनी हुई है। मार्च 2023 के अंत में परिवारों की वित्तीय संपत्तियां उनकी देनदारियों की तुलना में 2.7 गुना थीं। भारतीय परिवारों का ऋण सेवा बोझ, यानी आय के प्रतिशत के रूप में ब्याज का भुगतान मार्च 2021 में 6.9 प्रतिशत से घटकर मार्च 2023 में 6.7 प्रतिशत रह गया, जो वैश्विक स्तर पर भी सराहनीय है। हम उम्मीद करें कि हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और रिजर्व बैंक के द्वारा बैंकों को तत्परतापूर्वक घरेलू बचतों के निवेश को आकर्षक और जोखिम रहित बनाने के लिए जो दिशा निर्देश दिए गए हैं, उनके मद्देनजर सभी बैंक अपनी बचत योजनाओं को आकर्षक बनाएंगे। बैंकों के द्वारा कुछ इनोवेटिव और आकर्षक पोर्टफोलियो लाए जाएंगे और जमा प्राप्त करने के नए बाजार तलाशे जाएंगे।

दृष्टि कोण

हरित ऊर्जा से पर्यावरण संरक्षण एवं विकास

ऊर्जा और जीवन एक-दूसरे के पर्याय हैं। बिना ऊर्जा के विकास गतिविधियां संभव नहीं हैं। जीवाश्म ईंधन की वजह से पर्यावरण प्रदूषण व जलवायु संकट का सामना करना पड़ रहा है। जीवाश्म ईंधन जलाने से वातावरण में ग्रीनहाउस गैसें निकलती हैं जो ग्लोबल वार्मिंग का कारण बनती हैं। पर्यावरण चुनौतियों से निपटने का एक ही विकल्प है हरित ऊर्जा। हरित ऊर्जा प्राकृतिक स्रोतों से मिलने वाली ऊर्जा है। पर्यावरण संरक्षण, अच्छी प्राणवायु व स्वास्थ्यवर्धक वातावरण के लिए हमें आज हरित प्रौद्योगिकी को अपनाना होगा। हरित प्रौद्योगिकियां ऐसे उत्पाद और सुविधाएं बनाती हैं जो पर्यावरण मैत्री है तथा प्रकृति, पर्यावरण, वातावरण एवं समाज पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं डालती। हरित प्रौद्योगिकियां नवीकरणीय प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग कर पृथ्वी को बचाने का काम करती हैं। हरित ऊर्जा हमें सूर्य-प्रकाश, पवन, वर्षा, ज्वार, पौधों एवं भूतापीय गर्मी से प्राप्त होती है। पर्यावरण सुरक्षा एवं प्रदेश की नैसर्गिक सुंदरता को बिना क्षति पहुंचाए राजस्व लाभ, रोजगार प्राप्त करने हेतु प्रदेश सरकार ने क्रांतिकारी एवं साहसिक कदम उठाते हुए 31 मार्च 2026 तक हिमाचल को देश का प्रथम हरित ऊर्जा राज्य (ग्रीन एनर्जी स्टेट) विकसित करने का लक्ष्य निर्धारित किया है। इस सकारात्मक सोच से जहां प्रदेश वासियों को स्वच्छ वायु, स्वास्थवर्धक वातावरण, रोजगार मिलेगा, वहीं प्रदेश को राजस्व लाभ एवं ऊर्जा संकट से निदान मिलेगा। प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा, जल विद्युत और हाइड्रोजन का दोहन कर प्रदेश को सशक्त हरित ऊर्जा राज्य बनाने हेतु वचनबद्ध है। सौर ऊर्जा भारी मात्रा में उपलब्ध नवीकरणीय ऊर्जा स्त्रोत है। एक घंटे की सूर्य रोशनी में दुनिया के लिए एक वर्ष की ऊर्जा समाहित है। सूर्य प्रकाश को फोटोवोल्टिक सेल से सीधे विद्युत में परिवर्तित किया जा सकता है। भारत में मार्च 2024 तक 81.81 गीगावॉट सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता प्राप्त की है। प्रदेश सरकार सौर ऊर्जा के क्षेत्र में हिमाचल की भागीदारी बढ़ाकर 12 प्रतिशत तक पहुंचाना चाहती है। प्रदेश भर में 500 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। ऊना जिले के पेखूबेला में 32 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना तैयार की गई है तथा अघलौर में 10 मेगावाट और भंजाल में 5 मेगावाट क्षमता वाली परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। हिमाचल प्रदेश गांव में बसता है तथा गांवों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता के लिए सौर ऊर्जा बेहतरीन विकल्प है। सौर लालटेन, सौर स्ट्रीट लाईट, ग्रामीण विद्युतीकरण के लिए माइक्रो-मिनी ग्रिड ने गांवों में नए उजाले की शुरुआत की है। अभी हाल ही में कुल्लू के मलाणा में बादल फटने से ऐसी आपदा बरसी कि पावर प्रोजैक्ट की डैम साइट बर्बाद हो गई। मलाणा के लोग अंधेरे में बस रहे हैं। ऐसे में मेक माई ट्रिप फाउंडेशन ने मलाणा को प्रकाशमय करने के लिए 500 सोलर लाइट्स प्रदान की हैं। प्रशासन द्वारा प्रति घर एक-एक सोलर लाइट दी जा रही है। सोलर लाइट सिस्टम से तीन बल्ब जलेंगे तथा फोन चार्ज करने की भी सुविधा है। राज्य की कुल चिन्हित जल विद्युत क्षमता लगभग 27 हजार 436 मेगावाट है। दोहन योग्य विद्युत क्षमता 23 हजार 750 मेगावाट है। वर्तमान में 10 हजार 781.88 मेगावाट का दोहन किया जा चुका है। हरित ऊर्जा के दोहन में ग्रीन हाइड्रोजन विशेष है। पानी का इलेक्ट्रोलिसिस कर हाइड्रोजन और ऑक्सीजन को पृथक कर ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन किया जाता है। नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों से जो बिजली प्राप्त होती है, उससे इलेक्ट्रोलिसिस किया जाता है। हरित हाइड्रोजन एक स्वच्छ और टिकाऊ ईंधन है। हाइड्रोजन का हरित रूप पर्यावरण हितैषी है, क्योंकि कार्बन उत्सर्जन शून्य है। औद्योगिक क्षेत्र नालागढ़ में आंचल इंडिया कंपनी के सहयोग से ग्रीन हाइड्रोजन गैस के उत्पादन के लिए एक मेगावाट का संयंत्र उद्योग लगाया गया है, जो कि प्रदेश का पहला ग्रीन हाइड्रोजन प्रोजेक्ट है। प्रदेश में ग्रीन इलेक्ट्रिल व्हीकल पॉलिसी लागू की गई है। परिवहन विभाग में इलेक्ट्रिक वाहनों का प्रयोग किया जा रहा है। बायो एनर्जी की क्षमता का दोहन करने, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को नियंत्रित करने में इलेक्ट्रिक वाहन की अहम भूमिका है। पूरे भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए 10000 से अधिक पब्लिक चार्जिंग स्टेशन स्थापित किया जा चुके हैं। प्रदेश सरकार प्रदेश में प्रस्तावित चार्जिंग स्टेशनों के लिए मुफ्त जमीन व बिजली उपलब्ध करवा रही है।

कुछ अलग

कारगिल पर स्वीकारोक्ति

जिस सच को भारत बार-बार दोहराता रहा है कि कारगिल युद्ध में पाक के सैनिकों की पूरी भूमिका रही है, उस सच को पाक सेना प्रमुख ने पच्चीस साल बाद स्वीकारा है। पाक की यह सफाई ऐसे वक्त में आई है जब भारत ने कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ कुछ समय पहले ही मनायी है। बीते शुक्रवार को पाक के रक्षा और शहीद दिवस के मौके पर सेना प्रमुख जनरल सैयद आसिम मुनीर की स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। हालांकि, मुनीर ने गोलमोल तरीके से भारत व पाक के बीच हुए युद्धों समेत कारगिल में हजारों सैनिकों के मारे जाने की बाद कही। दरअसल, वर्ष 1999 के कारगिल संघर्ष को लेकर पाक के किसी शीर्ष सैन्य अधिकारी की पहली सार्वजनिक स्वीकारोक्ति है कि इस युद्ध में पाक सेना शामिल थी। अब तक पाक दलील देता रहा है कि कारगिल में कश्मीर के लिये लड़ने वाले लोग शामिल थे। हालांकि, इस साल की शुरुआत में पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ ने कारगिल का नाम लिये बिना यह स्वीकारा था कि इस्लामाबाद ने 1999 में हुए उस समझौते का उल्लंघन किया था, जिस पर उनके व तत्कालीन प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के हस्ताक्षर थे। यह स्वीकार्य तथ्य है कि कारगिल हमले का दुस्साहस जनरल परवेज मुशर्रफ द्वारा रची साजिश के तहत ही हुआ है। दरअसल, पाकिस्तानी सेना ने बांग्लादेश युद्ध में मिली शर्मनाक हार का बदला लेने का असफल प्रयास ही किया था। बहरहाल, पाक सेना प्रमुख की कारगिल युद्ध में सेना के शामिल होने की स्वीकारोक्ति के छिपे निहितार्थ भी हो सकते हैं। मगर प्रश्न टाइमिंग को लेकर है कि आखिर क्या वजह थी जो पाक ने यह तब स्वीकारा जब भारत कारगिल विजय के पच्चीस वर्ष पूरे होने पर जश्न मना चुका है। लेकिन स्पष्ट है कि पाकिस्तान में लोकतंत्र सेना के शिकंजे में पूरी तरह जकड़ा हुआ है। सत्ता पर काबिज शरीफ बंधुओं पर सेना का पूरा दबदबा है। वहीं मुखर पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान जेल की सलाखों के पीछे हैं। दरअसल, पाक दुनिया को यह दिखाने का प्रयास कर सकता है कि वह अपनी अतीत की भूलों को स्वीकार रहा है और अपनी ऐतिहासिक भूलों से सबक सीखने को उत्सुक है। तभी पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने इसी कार्यक्रम में कहा था कि पाक अपने सभी पड़ोसियों से बेहतर संबंध बनाना चाहता है। संभव है कि पाक अगले महीने इस्लामाबाद में होने वाली एससीओ बैठक के लिये माहौल बनाने का प्रयास कर रहा हो। जिसमें वह भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाग लेने की उम्मीद जता रहा है। लेकिन भारत पाक की बातों पर सहज विश्वास कर ले, उसका कोई तार्किक आधार नजर नहीं आता। दोनों देशों के बीच अविश्वास की खाई बीतों दिनों में लगातार चौड़ी होती रही है। खासकर पिछले दिनों जम्मू क्षेत्र में पाक प्रशिक्षित आतंकवादियों द्वारा भारतीय सैनिकों पर लगातार किए गए हमलों में उसकी भूमिका को लेकर। निश्चित रूप से जनरल मुनीर से एलओसी के पार आतंकी हमलों में पाकिस्तानी सेना की भूमिका को स्पष्ट करने के लिये कहा जाना चाहिए।

देश दुनीया से

कंधार अपहरण के असहज सत्य और सबक

नरेंद्र मोदी सरकार की मुश्किल यह है कि उन काले दिनों और रातों को दफनाना चाहती है – जो 1999 में क्रिसमस से पहली शाम और नए साल की पूर्व संध्या के बीच मुसीबत बनकर टूटे थे, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को 300 से अधिक यात्रियों की जिंदगी के बदले में तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था –इसकी जगह वह मधुर, गर्मजोशी भरा और खुशनुमा अहसास बनाए रखना चाहती है, जो एक मज़बूत देश का नेतृत्व मजबूत नेता के हाथ होने पर तारी रहता है। परंतु कठिनाई यह है कि इतिहास इस तरह के अहसासों का बंधक नहीं हो सकता। जो होता है, ठीक वही पेश करता है।

वास्तविक जीवन जैसी दिखने वाली वेब सीरीज के साथ समस्या यह है कि वह अपने साथ बहुत सी पुरानी यादें लेकर आती है। 'आईसी 814 : कंधार हाईजैक' नामक इस सीरीज के साथ मुश्किल यह हो रही है कि यह भारत को कमज़ोर दिखाती है : निशक्त, पस्त-अक्षम। नरेंद्र मोदी सरकार की मुश्किल यह है कि उन काले दिनों और रातों को दफनाना चाहती है – जो 1999 में क्रिसमस से पहली शाम और नए साल की पूर्व संध्या के बीच मुसीबत बनकर टूटे थे, जब अटल बिहारी वाजपेयी सरकार को 300 से अधिक यात्रियों की जिंदगी के बदले में तीन आतंकवादियों को रिहा करना पड़ा था –इसकी जगह वह मधुर, गर्मजोशी भरा और खुशनुमा अहसास बनाए रखना चाहती है, जो एक मज़बूत देश का नेतृत्व मजबूत नेता के हाथ होने पर तारी रहता है। परंतु कठिनाई यह है कि इतिहास इस तरह के अहसासों का बंधक नहीं हो सकता। जो होता है, ठीक वही पेश करता है। उस वक्त की कुछ झलकियां पेश हैं : अपहृत विमान में फंसे यात्रियों के परिवारों की मुश्किलें वाजपेयी सरकार की कमजोरी बन गई, जिनके सिर पर सरकार और अपहर्ताओं के बीच सौदा सिरे न चढ़ने पर हर किस्म के नुकसान का खतरा था। ब्रिटेन में पढ़ा और वहां के लहज़े में अंग्रेजी बोलने वाला उमर शेख – जो कि भारत सरकार द्वारा रिहा किए गए तीन आतंकवादियों में से एक था–उससे जब कंधार में भारतीय खुफिया अधिकारी आनंद अर्नी ने पूछा कि आज़ाद होने का क्या अर्थ है, तो उसने जवाब में ढेरों अपशब्द बके। पाकिस्तान की आईएसआई, जिसका पूरी तरह नियंत्रण था, उसने समझौता वार्ता के दौरान भी बुनियादी शर्तों को बदलवाया – 29 दिसंबर की शाम तक, सहमति केवल एक मसूद अज़हर को रिहा करने तक सीमित थी, लेकिन 30 दिसंबर की सुबह होते-होते अपहर्ता तीन आतंकवादियों को रिहा करने की मांग पर अड़ गए। यह वही था, जो होकर रहा। कभी-कभी समस्या यह होती है कि लोग अतीत को वर्तमान के संदर्भ में देखने लगते हैं। उन्हें इस तथ्य से शर्मिंदगी महसूस होती है कि तत्कालीन विदेश मंत्री जसवंत सिंह भी उसी विमान से कंधार गए थे, जिसमें कुछ पीछे की सीटों पर रिहा किए जाने वाले तीनों आतंकवादी सवार थे, जो उन्हें सुनाने को जोर-जोर से अपशब्द बकते रहे। बहुत से लोगों का कहना है कि मंत्री को नहीं जाना चाहिए था, कई ने सवाल किया कि उन्होंने अपने पद की गरिमा क्यों गिराई? लेकिन 'द ट्रिब्यून' के अभिलेखागार में, उस वक्त में झांकने पर पता चलता है कि 1999 में भारत की स्थिति क्या थी। परमाणु परीक्षण हुए कोई एक साल गुजरा था और भारत अभी भी अंतर्राष्ट्रीय तौर पर अभिशप्त-सा था और आगामी गर्मी में अमेरिकी राष्ट्रपति क्लिंटन का दौरा होना तय था। पाकिस्तान के साथ कारगिल युद्ध खत्म हुए बमुश्किल चंद महीने बीते थे। उस सप्ताह, जब अपहृत हुए विमान ने काठमांडू से अमृतसर होते हुए कंधार के लिए उड़ान भरी, जसवंत सिंह ने मदद के लिए अमेरिका, ब्रिटेन और अन्य जगहों पर अपने कई समकक्षों को संपर्क करने की कोशिश की- लेकिन किसी ने उनका फोन नहीं उठाया। यह सप्ताह नए साल की खुशियां मनाने का था। आप जब जश्न मनाने में व्यस्त हों, ऐसे में तीसरी दुनिया के देश का कोई परेशान आदमी आपको उस समय फोन करे, तो आप केवल यही सोच सकते हैं कि अपनी समस्याओं से वह खुद क्यों नहीं निबट लेता? यही चीज़ है जिससे असली कमजोरी झलकती है। भले ही आप मदद पाने के लिए कितने भी अधीर हों, लेकिन कोई आपका फोन नहीं उठाना चाहता। 'रॉ' के तत्कालीन प्रमुख एएस दुलत के अनुसार, जसवंत सिंह उस सप्ताह दिल्ली में 'अकेले पड़े एक आदमी' थे। उनको लगा कि यदि कोई वरिष्ठ व्यक्ति व्यक्तिगत रूप से लेन-देन प्रक्रिया की देखरेख करने साथ नहीं गया, तो कहीं अंतिम समय में ऐसा कुछ न हो जिससे यात्रियों की जान खतरे में पड़ जाए। सच तो यह है कि भारतीय वार्ताकार कंधार में कमजोर पड़े प्रतीत हुए क्योंकि उनके पास अपनी बात मनवाने की गुंजाइश बहुत कम या न के बराबर थी। विमान दुश्मन के इलाके में था। कठपुतलियों की डोर आईएसआई के हाथ में थी और सभी पत्ते भी उसके हाथ में थे। नेटफ्लिक्स सीरीज़ उन सभी भारतीय दर्शकों को यह असहज सच्चाई स्वीकारने को मजबूर करती है कि हकीकत में हम वह राज्य नहीं हैं जोकि हम मानते रहे कि हम हैं। हम कमजोर थे, और शायद, अब भी हैं। वेब सीरीज़ ने हम सभी की इस रग को छूआ है कि जब रोशनी बुझ जाती है और हमारे समक्ष केवल हम ही होते हैं, तो क्या सच है और क्या नहीं, यह हमें पता होता है। हम जानते हैं कि हम उतने तगड़े नहीं हैं जितना खुद को मानते हैं। कुछ लोग कह सकते हैं कि 25 साल का समय बहुत लंबा होता है और भारत काफी आगे निकल चुका है- वे पाकिस्तान के साथ वार्ता के संबंध में प्रधानमंत्री मोदी द्वारा अपनाए गए सख्त रुख को गिनाते हैं। कुछ अन्य लोगों का इशारा 2016 में अभूतपूर्व सर्जिकल स्ट्राइक की तरफ होगा, जब भारतीय सशस्त्र बलों ने वास्तविक नियंत्रण रेखा पार की और पाकिस्तानी सेना द्वारा समर्थित आतंकवादियों के खिलाफ सफलतापूर्वक अभियान चलाये। फिर भी, हम जानते हैं कि कमज़ोरी बनी हुई है।

आप का नजरीया

कांगड़ा का चमन

जब भी प्रदेश की सियासत का मुआयना होता है, कांगड़ा के मुद्दों पर सवार होना होता है। इस बार मौका भाजपा के हाथ आया तो नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने विधानसभा के सदन को तपा दिया। 'खामोशियां फिर तूफानों सी गूंज गईं, इस हवा को हमारे आंगन से कुछ कहना था।' जयराम बोल रहे थे तो कांगड़ा की चुप्पियों का पदचाप सदन के सन्नाटे तोड़ रहा था, लेकिन सियासत के खंभों पर कांगड़ा के ही नेता फिसले है। पौध बदल जाती है, कभी शांता-कभी धूमल में बंट जाती है। हकीकत यह भी है कि सत्ता का तिलक जब भी शिमला में सरकार के माथे पर लगा, तो कांगड़ा कश्तियों पर सवार रहा, लेकिन बार-बार इसी के 'पत्तन टूटे' हैं। ऐसा नहीं है कि जो विपक्ष ने कहा, वही कांगड़ा का अवतार है, लेकिन सच यह भी है कि कांगड़ा को मिलते रहे 'राजधानियों के दर्जों' ने इसी से वफा की। यह दीगर है कि कांगड़ा के प्रणेता के रूप में वीरभद्र की सत्ता के हर दशक ने इस क्षेत्र के मतदान का कर्ज उतारा है और अंतिम पैगाम आने तक शीतकालीन राजधानी का मील पत्थर धर्मशाला में सरकार को चुंबक बन कर खींचता रहा या तपोवन में शीतकालीन सत्र में तपते प्रश्न सुकून देते रहे। आश्चर्य यह कि धर्मशाला में केंद्रीय विश्वविद्यालय की अस्थायी छत बनी, लेकिन जदरांगल परिसर पर कोई सरकार ईमानदार नहीं रही। धूमल की दौलत में हमीरपुर संसदीय क्षेत्र की गिरफ्त में आकर, केंद्रीय विश्वद्यिालय राजनीति करने लगा। सांसद व मंत्री रहे अनुराग ठाकुर की विरासत में जब केंद्रीय विश्वविद्यालयय पलने लगा, तो जदरांगल परिसर की परीक्षाएं अब सुक्खू सरकार में अलग-अलग 'कांगड़ों' में दिखाई देने लगीं। मामला देहरा में उठती इमारतों में दब जाएगा या उपचुनाव की देहरी पर मुख्यमंत्री के वादे से जदरांगल परिसर बच जाएगा। बेशक कांगड़ा पर्यटन की राजधानी बनने का हुनर जानता है, लेकिन एडीवी की योजनाओं में किसका जहर भरता है। प्रदेश का पहला ट्यूलिप गार्डन धर्मशाला की सियासी आबोहवा में उजड़ गया, तो वहां खर्च हुए सात करोड़ पर कौन रहम खाएगा। बीड़-बिलिंग में राष्ट्रीय पैराग्लाइडिंग स्कूल की बनी बनाई इमारत में कब कोर्स चलाया जाएगा। कभी धूमल ने धर्मशाला को खेल राजधानी कहा, लेकिन बजट के बावजूद साई के राष्ट्रीय खेल छात्रावास की योजना उजड़ गई। अब हाई अल्टीट्यूट खेल संस्थान के नाम 27 एकड़ जमीन किससे फरियाद करे। चैतड़ का आई टी पार्क कहीं तो राजनीतिक गुनाहों का देवता बना। देश में प्रवासी पक्षी जिस पौंग झील को 'रामसर' का दर्जा दिला देते हैं, वहां विस्थापितों की चिंता की लकीरें पानी में लहर बन जाती हैं आज भी। बांटा तो कांगड़ा एयरपोर्ट भी बार-बार गया। शकुनि विरोध की तमस में वर्षों से जल रही परियोजना को छाती से लगा कर निश्चित रूप से सुखविंदर सुक्खू ने अपने सीने का फैलाव बताया है।

राजनीतिक दलों में अनूठी पार्टी हैं भाजपा : कामेश्वर

देवरिया, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा द्वारा जिला पंचायत सभागार में आयोजित सदस्यता अभियान में किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने उपस्थित किसानों को मिस्ड काल के माध्यम से पार्टी की सदस्यता ग्रहण सोमवार को कराई। इस दौरान किसान मोर्चा के कार्यकर्ता मुखलाल ने किसानों को प्रेरित करने वाला सुंदर गीत भी प्रस्तुत किया ।कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि हमारी पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी तो हैं । साथ ही राजनीतिक दलों में अनूठी पार्टी भी हैं। कोई राजनीतिक दल लोकतांत्रिक तरीके से हर 6 साल में सदस्यता अभियान नहीं करता। उन्होंने कहा कि भाजपा के संविधान के मुताबिक, हर 5-6 साल बाद नए सिरे से सबको फिर से पार्टी का सदस्य बनाया जाता हैं। कोरोना संकट के समय यह सदस्यता अभियान सीमित रूप से नही चल पाया था, लेकिन अब 2 सितंबर से पार्टी फिर से पूरे देश में अपना सदस्यता अभियान शुरू कर चुकी है और पिछले तीन दिन में ही पार्टी ने 1 करोड़ सदस्य बना लिए हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 तक चीन की कम्युनिस्ट पार्टी दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी हुआ करती थी। लेकिन 2014 में जब भाजपा के 11 करोड़ सदस्य बने, उसके बाद भाजपा दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बन गई। इस बार किसान मोर्चा की जिले की इकाई को हर मंडल में 1100 सदस्य बनाने का लक्ष्य मिला हैं। मोर्चे की जिला इकाई 35 हजार सदस्य बनाने का संकल्प लेकर चल रहीं हैं। भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने कहा कि पूरे जनपद में पार्टी के कार्यकर्ता हर बूथों .पर जाकर सदस्यता का कार्य कर रहें हैं। उन्होंने कहा कि कई स्थानों पर पार्टी कैंप लगाकर भी सदस्यता कर रहीं हैं ।मुझे पूरा विश्वास है सदस्यता अभियान का जो लक्ष्य हमे मिला हैं उससे कहीं अधिक सदस्य बनाकर हम पार्टी को मजबूत करने का कार्य करेंगे। जिला प्रभारी संतराज यादव ने कहा कि प्राथमिक स्तर पर पार्टी का लक्ष्य फिलहाल 10 करोड़ से अधिक लोगों को भाजपा का सदस्य बनाना है। जिन राज्यों में चुनाव की घोषणा हो गई है, उन राज्यों में यह सदस्यता अभियान बाद में चलाया जाएगा। जिससे पार्टी की कुल सदस्यता में बाद में और ज्यादा इजाफा होगा। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष पवन मिश्रा ने कहा कि अमित शाह के राष्ट्रीय अध्यक्ष के कार्यकाल में 2014-15 में 11 करोड़ लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की थी। वर्ष 2019 में चले सदस्यता अभियान में 7 करोड़ लोग शामिल हुए थे। किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष ने कहा कि यानी 2019 तक लगभग 18 करोड़ लोग भाजपा के सदस्य बने थे। कार्यक्रम का संचालन किसान मोर्चा के जिला महामंत्री काशीपति शुक्ला ने किया । कार्यक्रम को किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष बंधु उपेंद्र सिंह ने भी संबोधित किया। इस दौरान किसान मोर्चा के जिला महामंत्री भगवान यादव, रविंद्र कुंवर राय, दिनेश पांडे, हृदय लाल शर्मा, मुकेश कुमार राय, ओमप्रकाश चौरसिया, विवेक मणि, अजय दुबे वत्स, गिरिजेश सिंह, वाई के तिवारी, सुमंत चतुर्वेदी, विद्यासागर मिश्रा, सुनील चतुर्वेदी, सुशील सिंह, दिवाकर चंद्र यादव, बलवंत सिंह, सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कृषि मंत्री ने वरिष्ठ कार्यकर्ता को सदस्यता ग्रहण कराई – भाजपा सदस्यता अभियान 2024 के अंतर्गत सोमवार को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने देवरिया में अपने राघव नगर स्थित आवास पर वरिष्ठ भाजपा कार्यकर्ता नथुनी सिंह कुशवाहा को विश्व की सबसे बड़ी पार्टी भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराई।

सहकारिता प्रकोष्ठ द्वारा महा सदस्यता अभियान का शुभारंभ – भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ द्वारा महा सदस्यता अभियान 2024 के अवसर पर भूमि विकास बैंक क्वापरेटिव चौराहा पर आयोजित कार्यक्रम को भाजपा जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह ने सम्बोधित कर अंत्योदय के मूल मंत्र के साथ प्रत्येक वर्ग के कल्याण और उत्थान हेतु समर्पित भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण कराने के लिए सभी से अपील किया।

साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में किया प्रवेश : मुख्यमंत्री योगी

–मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आइकिया स्टोर का किया वर्चुअल शिलान्यास

लखनऊ, (हि.स.)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ नोएडा में स्थापित हो रहे आइकिया स्टोर का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश ने देश-दुनिया के निवेशकों का विश्वास अर्जित किया है। आइकिया इंडिया उन्हीं निवेशकों में से एक है। आइकिया इंडिया द्वारा उत्तर प्रदेश में 5500 करोड़ रुपये के निवेश प्रस्ताव पर धन्यवाद ज्ञापित करते हुए मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत के अंदर अब इन्वेस्टमेंट का ड्रीम डेस्टिनेशन बन गया है। उन्होंने कहा कि पिछले साढ़े सात साल में उत्तर प्रदेश ने विकास और निवेश के नए युग में प्रवेश किया है।

9 हजार से अधिक युवाओं को प्राप्त होगा रोजगार – सीएम योगी ने कहा कि इंग्का सेंटर्स की इस नई परियोजना में आइकिया रिटेल स्टोर, होटल, ऑफिस स्पेस और शॉपिंग सेंटर खोला जाएगा। इसके माध्यम से 9 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि 2017 के बाद से इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट, निवेश की नई संभावनाओं के विकास, स्किल डेवलपमेंट और परम्परागत उत्पादों के प्रोत्साहन में उत्तर प्रदेश ने अनेक कार्यक्रम प्रारम्भ किए हैं। आज उसके परिणाम हम सबके सामने है। सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश की ओडीओपी योजना देश की अभिनव योजना बन गई है। साथ ही बेहतरीन कानून व्यवस्था से उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में देश में अग्रणी है।

भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा उत्तर प्रदेश – मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश भारत की आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। वर्तमान में भारत की अर्थव्यवस्था में 9.2 प्रतिशत का योगदान दे रहा है। आज उत्तर प्रदेश देश में दूसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था वाला राज्य है, जो तेजी के साथ भारत के विकास के ग्रोथ इंजन के रूप में आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में उत्तर प्रदेश ने अपनी औद्योगिक विकास नीति बनाई थी, उस समय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हम लोगों का मार्गदर्शन करते हुए कहा था कि इन्वेस्टमेंट को एम्प्लॉयमेंट के साथ जोड़ना चाहिए। आइकिया इंडिया के स्टोर का शिलान्यास उसी का परिणाम है। यूपी में संभावनाओं का लाभ भारत व अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि देश की सबसे बड़ी और प्रतिभावान युवा आबादी उत्तर प्रदेश में निवास करती है। विगत साढ़े सात वर्ष में उत्तर प्रदेश की बेरोजगारी दर घटी है।

27 अलग-अलग सेक्टर की सेक्टोरियल पॉलिसी के साथ उत्तर प्रदेश भारत के विकास में अपना योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश का नोएडा, ग्रेटर नोएडा और यमुना अथॉरिटी का क्षेत्र इस वर्ष के अंत में पब्लिक ट्रांसपोर्ट की सुविधाओं के साथ ही भारत के सबसे बड़े नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट के साथ जुड़.जाएगा। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र लॉजिस्टिक की दृष्टि से भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। ईस्टर्न और वेस्टर्न डेडीकेटेड फ्रेट कॉरिडोर का जंक्शन इसी क्षेत्र के गौतमबुद्धनगर जनपद में पड़ेगा। उत्तर प्रदेश अनलिमिटेड पोटेंशियल का प्रदेश है, इसकी सम्भावनाओं का लाभ भारत और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के हित में है। कार्यक्रम में स्वीडन के अंबेसडर यॉन थेस्लेफ, उत्तर प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी', एमएसएमई मंत्री राकेश सचान, औद्योगिक विकास के राज्यमंत्री जसवंत सैनी, मुख्य सचिव मनोज सिंह, आईकिया इंडिया के सीईओ सुजैन पुल्वरर आदि मौजूद रहे।

मायावती ने कानून व्यवस्था के मुद्दे पर सपा-भाजपा को समानरूप से घेरा

लखनऊ, (हि. स.)। सुलतानपुर जनपद में हुए एनकाउंटर मामले में बहुजन समाज पार्टी (बसपा) की राष्ट्रीय अध्यक्ष मायावती की पहली प्रतिक्रिया आई है। उन्होंने कानून व्यवस्था को लेकर भाजपा और सपा को चोर-चोर मौसेरे भाई करारा दिया है। मायावती ने सोशल मीडिया के एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा कि सुलतानपुर जिले में एनकाउंटर की घटना के बाद से भाजपा व सपा में कानून-व्यवस्था को लेकर आरोप-प्रत्यारोप लगाए जा रहे हैं। अपराध, अपराधी व जाति के नाम पर जबरदस्ती की राजनीति की जा रही है, जबकि इस मामले में ये दोनों दल चोर-चोर मौसेरे भाई जैसे हैं। अर्थात भाजपा की तरह सपा सरकार में भी तो कई गुणा ज्यादा कानून-व्यवस्था का बुरा हाल था। दलितों, अन्य पिछड़े वर्गों, गरीबों व व्यापारियों आदि को सपा के गुंडे, माफिया दिन-दहाड़े लूटते व मारते-पीटते थे, ये सब लोग भूले नहीं हैं। जबकि उत्तर प्रदेश में वास्तव में कानून द्वारा कानून का राज, बसपा के शासन में ही रहा है। जाति व धर्म के भेदभाव के बिना लोगों को न्याय दिया गया। कोई फर्जी एनकाउंटर आदि भी नहीं हुए। अतः भाजपा व सपा के कानूनी राज के नाटक से सभी सजग रहें।

कानपुर में रेलवे ट्रैक पर सिलेंडर रख कालिंदी एक्सप्रेस को पलटाने की साजिश

कानपुर, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश के कानपुर-फरुर्खाबाद रेलवे ट्रैक पर रविवार रात गैस सिलेंडर व कुछ अन्य संदिग्ध सामान रखा गया। इस बीच भिवानी जा रही कालिंदी एक्सप्रेस गैस सिलेंडर से टकरा गई। गनीमत रही की गैस सिलेंडर फटा नहीं और दूर जा गिरा। इससे बड़ा हादसा होते-होते बच गया।अगर रेलगाड़ी पलट जाती तो जान-माल की भारी क्षति हो सकती थी। कानपुर सेंट्रल से अनवरगंज स्टेशन होते हुए कालिंदी एक्सप्रेस भिवानी की ओर जा रही थी। अभी वह शिवराजपुर रेलवे स्टेशन के करीब ही पहुंची थी कि अचानक धड़ाम की आवाज आई। गति अधिक होने कारण चालक ने इमरजेंसी ब्रेक नहीं लिया और कुछ ही दूरी पर शिवराजपुर स्टेशन पहुंचने पर मेमो दिया। इसमें कहा गया कि ट्रेन किसी लोहे की वस्तु से टकराई है। इस पर आरपीएफ इंस्पेक्टर ओपी मीना ने मौके पर जाकर देखा तो उनके होश उड़ गए। रेलवे ट्रैक पर कुछ संदिग्ध सामान मिला और गैस सिलेंडर दूर पड़ा मिला, जो फटा नहीं था और उसमें गैस भरी हुई थी। यह देख इंस्पेक्टर भांफ गया कि ट्रेन को पलटाने की साजिश रची गई है। इज्जत नगर पूर्वोत्तर रेलवे मंडल के पीआरओ राजेंद्र सिंह ने बताया कि ट्रेन को पलटाने की साजिश की गई है। मामले की जांच की जा रही है और रेलवे ट्रैक की सुरक्षा बढ़ा दी गई है।

विश्व हिंदू परिषद व बजरंग दल के सदस्यों ने धर्मातरण का किया विरोध

फतेहपुर, (हि.स.)। जिले में सोमवार को बिन्दकी स्थित चर्च पहुंची पुलिस ने पादरी सहित कई लोगों से पूछताछ किया। सभा में आने वाले लोगों से भी इस बारे में जानकारी ली। इस मौके पर विश्व हिंदू परिषद तथा बजरंग दल के सदस्यों ने धर्मांतरण का विरोध कर प्रशासन से कार्रवाई की मांग की। आज लगभग 11:00 बजे बिन्दकी कोतवाली के मोहल्ला बाराती नगर स्थित चर्च कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे, वरिष्ठ उप निरीक्षक सत्यदेव सिंह गौतम तथा कस्बा इंचार्ज नीरज कुमार कुशवाहा पुलिस बल के साथ पहुंचे। वहां पर मौजूद पादरी मुकुट सिंह राजपूत से पूछताछ किया। मौजूद अन्य लोगों से भी पूछताछ किया। चल रही सभा के बारे में जानकारी ली और कौन-कौन आता जाता है, इसके बारे में भी जानकारी प्राप्त की। इस मौके पर मौजूद विश्व हिंदू परिषद के नगर अध्यक्ष राजेश सिंह गौतम ने कहा कि उन्हें जानकारी हुई कि यहां पर धर्म परिवर्तन से संबंधित कुछ कार्यक्रम चल रहा है। इसलिए अपने साथियों के साथ यहां पर पहुंचे हैं।

बजरंग दल के विमलेश कुमार बाजपेई ने कहा कि यहां काफी लोग मिले हैं। पुलिस आई है। मामले की जांच कर रही है। इस मौके पर बजरंग दल के नगर सहसंयोजक सजल शर्मा, बजरंग दल विद्यार्थी प्रमुख हर्षित द्विवेदी तथा बजरंग दल के धीरू पटवा अनिल कुमार तथा अभय सोनी आदि मौजूद रहे। इस मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार पांडे ने कहा कि बिना अनुमति के सभा करने की सूचना प्राप्त हुई थी। इसलिए वह आए थे। पादरी तथा अन्य मौजूद लोगों से पूछताछ कर जांच की जा रही है।

रांची रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति झाकियों में केदारनाथ और उज्जैन का कराएगी दर्शन

रांची, (हि.स.)। राजधानी रांची में दुर्गा पूजा को लेकर एक से बढ़कर एक पंडाल का निर्माण किया जा रहा है। इसी क्रम में रांची रेलवे स्टेशन दुर्गा पूजा समिति की ओर से इस वर्ष केदारनाथ मंदिर और उज्जैन के महाकाल का दर्शन कराएगी। साथ ही कोयंबटूर के आदियोगी शिव का दर्शन भी कराया जाएगा। इसकी तैयारी शुरू कर दी गयी है । यहां 50 फीट ऊंची आदि योगी की मूर्ति विराजमान होगी, जो भक्तों में आकर्षण का केंद्र होगी। पंडाल की दोनों ओर दीवारों पर शिवलिंग, नंदी, डमरू और सांप की कलाकृति भक्तों को आकर्षित करेगी। आदि योगी शिव के प्रारूप का निर्माण थमोकौल से किया जा रहा है। पंडाल का रंग पुराने पत्थर की रंग का होगा और देखने से लगेगा कि पूरा पंडाल इन्हीं पत्थरों से बना हुआ है। पंडाल निर्माण में 40 लाख रुपये खर्च किये जा रहे हैं। समिति के अध्यक्ष मुनचुन राय ने सोमवार को बताया कि पंडाल निर्माण में लगभग 40 लाख रुपये, मूर्ति में दो लाख रुपये और लाइट एवं साउंड आठ लाख रुपये खर्च होंगे। उन्होंने बताया कि पंडाल में माता रानी योग की मुद्रा में विराजेंगी। मुख्य पंडाल के अंदर एक बड़ा सा मंडप सजाया जायेगा।

इस मंडप में मां आसन की मुद्रा में विराजेंगी। मां के 10 हाथों में से दो हाथ योग की विभिन्न मुद्राओं को करते हुए दिखायेंगे। मां अन्य आठ हाथों में विभिन्न अस्त्र-शस्त्र लिये रहेंगी। मां के आसन के नीचे सिंह महिषासुर से लड़ते हुए नजर आयेगा। मां की प्रतिमा की ऊंचाई 12 फीट होगी। इसके अलावा लेजर शो के बाद भक्त प्रवेश द्वार से मां का दर्शन करने के लिए जायेंगे। यहां छह मिनट का लेजर शो आकर्षण का केंद्र होगा। यह लेजर शो कोयंबटूर की तरह होगा। उन्होंने बताया कि पूजा पंडाल से लेकर आसपास के इलाकों में रंग-बिरंगे बल्बों से सजावट की जायेगी। पंडाल के समीप खाने-पीने के विभिन्न स्टॉल भी लगे रहेंगे। समिति के लोग पंडाल के निर्माण में जुटे हुए हैं।

रामगढ़ एसपी ने जागरुकता रथ को दिखाई हरी झंडी, जन शिकायत समाधान कार्यक्रम की तैयारी पूरी

रामगढ़, (हि.स.)। जिले में जन शिकायत समाधान कार्यक्रम को लेकर सोमवार को एसपी अजय कुमार ने जागरुकता रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि झारखंड के डीजीपी के निर्देश पर पूरे राज्य में लोगों की शिकायतों का निवारण करने के लिए अभियान चलाया जाएगा। राज्य सरकार 10 सितंबर को इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेगी। रामगढ़ में छावनी परिषद मैदान में कार्यक्रम आयोजित कर आम नागरिकों की समस्या का निवारण किया जाएगा। उन्होंने बताया कि महिला उत्पीड़न, गुमशुदगी और अन्य किसी भी मुद्दे पर यदि किसी व्यक्ति को शिकायत है या फिर उसे कोई परेशानी है, तो वह पुलिस के समक्ष रखे। पुलिस उसकी हर समस्या का समाधान करने का प्रयास करेगी। उन्होंने यह भी बताया कि आम नागरिक चाहे जिस भी समस्या से जूझ रहे हो उसे पुलिस के समक्ष जरूर रखें। यह कार्यक्रम लोगों को पुलिस के साथ जोड़ेगी और आम नागरिकों के साथ पुलिस के संबंध भी अच्छे होंगे।

दुष्कर्म कर बीटेक छात्रा को जिंदा जलाने को दोषी को होगी फांसी, झारखंड हाई कोर्ट ने बरकरार रखा सीबीआई कोर्ट का फैसला

रांची, (हि.स.)। झारखंड हाई कोर्ट ने बीटेक की छात्रा के साथ दुष्कर्म और हत्या करने के जुर्म में जेल में बंद राहुल राज को बेल देने से इनकार करते हुए उसकी फांसी की सजा को बरकरार रखा है। हाईकोर्ट ने सोमवार को उसकी अपील याचिका खारिज कर दी है। राहुल राज को रांची सीबीआई की स्पेशल कोर्ट ने फांसी की सजा सुनाई थी, जिसके खिलाफ उसने हाई कोर्ट में याचिका दाखिल की थी। हाई कोर्ट के जस्टिस आनंद सेन और जस्टिस गौतम कुमार चौधरी की खंडपीठ ने इस मामले की सुनवाई की। रांची सीबीआई की विशेष कोर्ट ने 20 दिसंबर, 2019 को राहुल राज को दोषी करार देते हुए 21 दिसंबर उसे फांसी की सजा सुनाई थी। उल्लेखनीय है कि छात्रा 15 दिसंबर 2016 को शाम छह बजे कॉलेज से घर लौटी थी। राहुल ने उसका दिनभर पीछा किया था। 16 दिसंबर की सुबह करीब चार बजे राहुल छात्रा के घर में घुसा। ग्रिल का ताला खोला। छात्रा ने अपने कमरे को अंदर से बंद नहीं किया था। राहुल अंदर गया और उसका गला दबाने लगा। फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। जब छात्रा अचेत हो गई तो आयरन के तार से गला घोंट दिया था। उसके कपड़े उतारे और बगल वाले कमरे में फेंक कर आग लगा दी थी। हत्या करने के बाद बगल के कमरे से मोटर में डालने के लिए रखा मोबिल उसके शरीर पर डाल दिया और आग लगा दी। फिर दरवाजा सटाकर वहां से निकल गया था। पुलिस ने मामले में बूटी बस्ती में मोबाइल कॉल डंप के आधार पर राहुल का पता लगाया गया था। करीब 300 लोगों से पूछताछ की गई थी। इस दौरान पता चला कि राहुल नालंदा का रहने वाला था। उसपर पटना में भी नाबालिग से दुष्कर्म का केस दर्ज है। वह लखनऊ जेल में बंद था। इसके बाद राहुल के माता-पिता और पीड़िता के स्वाब और नाखून से मिले अंश का डीएनए टेस्ट कराया था। इसमें राहुल की मां का डीएनए मैच कर गया। इसी सबूत के आधार पर उसे फांसी की सजा हुई थी।

कलर कोड एवं यूनिक कोड के माध्यम से परिचालन को लेकर पटना में ऑटो और ई-रिक्शा की हड़ताल

पटना, (हि.स.)। राजधानी पटना में सोमवार सुबह से लेकर रात के 12 बजे तक ऑटो और ई-रिक्शा चालकों की हड़ताल है। ऐसे में सोमवार को पटना की सड़कों पर ऑटो और ई-रिक्शा नहीं दिख रही हैं। सुबह 9 बजे सभी ऑटो और ई-रिक्शा चालक पटना जंक्शन के पास टाटा पार्क में इकट्ठा होंगे। पैदल मार्च करते हुए गर्दनीबाग तक जाएंगे और वहां धरना देंगे। ऑटो रिक्शा संघ और ई-रिक्शा ने एक साथ एलान किया है कि आज वे एक दिवसीय हड़ताल पर रहेंगे। ऑटो एवं ई-रिक्शा को जोन में बांट कर संख्या के हिसाब से कलर कोड एवं यूनिक कोड के माध्यम से परिचालन का फैसला हड़ताल का मुख्य कारण बताया जा रहा है।पटना ऑटो चालक संघ के अध्यक्ष पप्पू राय और ई-रिक्शा चालक संघ के प्रदेश अध्यक्ष हिमांशु कुमार ने हड़ताल का समर्थन किया है। चालकों ने बातचीत में बताया कि परमिट रूट के अलावा जब तक गैस या तेल लेने के लिए छूट नहीं मिलेगी, इमरजेंसी में या अपने परिवार के साथ किसी भी रूट में जाने की छूट नहीं मिलेगी, तब तक विरोध जारी रहेगा। उसने बताया कि हड़ताल एक दिन के लिए ही है, लेकिन आगे भी इसका विरोध जारी रहेगा। ऑटो हड़ताल के कारण आज सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को हुई है। पटना के शहरी इलाकों में 25 से 30 हजार के करीब ऑटो हैं, जो प्रतिदिन चलते हैं, जबकि ई-रिक्शा करीब 15 हजार के करीब है। सबसे अधिक बेली रोड, दानापुर, फुलवारी शरीफ में ऑटो रिक्शा और ई रिक्शा का परिचालन होता है।

जिला प्रशासन ने जमीन किया हस्तांतरण, शीघ्र बनेगा आकर्षक पार्क : आशुतोष

नवादा, (हि.स.)। नवादा के जिलाधिकारी आशुतोष कुमार वर्मा ने खुरी नदी के किनारे ढाई एकड़ आम गैर मजरुआ जमीन को खुरी इको पार्क के लिए वन विभाग को हस्तांतरित कर दिया है,जिससे नवादा जिले वासियों की चिर प्रतीक्षित पार्क की मांगे पूरी होती दिख रही है। डीएम आशुतोष कुमार वर्मा के प्रयास से नवादा वासियों का यह पार्क एक बड़ा सौगात भी माना जा रहा है। डीएम आशुतोष कुमार वर्मा ने बताया कि लंबे समय से नवादा में एक पार्क बनाने की मांग की जा रही थी ।जिसके लिए जमीन तलाशने के काफी प्रयास किए गए थे।अंतत खुरी नदी के किनारे राम लखन सिंह यादव कॉलेज के पास ढाई एकड़ पार्क के लायक बेहतर जमीन देखी गई ।जिसे जिला प्रशासन ने वन विभाग को हस्तांतरित कर दिया है ।उन्होंने कहा कि प्रभारी मंत्री डॉ प्रेम कुमार तथा नवादा के सांसद विवेक ठाकुर भी पार्क निर्माण के लिए काफी प्रयशरत थे। जिला प्रशासन से कई जनप्रतिनिधियों ने भी नवादा में एक बेहतर पार्क बनाने का आग्रह किया था ।जनहित का ख्याल रखते हुए जिला प्रशासन ने खुरी नदी के किनारे पार्क बनाने के लिए जमीन वन विभाग को हस्तांतरित कर दी है ।जिस पर वन विभाग के प्रयास से निर्माण कार्य भी शुरू हो जाएगा ।वन एवं पर्यावरण मंत्री तथा जिला प्रभारी मंत्री डॉ प्रेम कुमार ने भी कहा था कि अगर जमीन मुहैया कराई जाती है तो वन विभाग की ओर से एक बेहतर पार्क नवादा में बनाया जाएगा ।डीएम ने जमीन हस्थानांतरित कर पार्क बनाने का रास्ता साफ कर दिया है।

मुख्यमंत्री ने मोबाइल पशु चिकित्सा कॉल सेंटर का किया शुभारंभ, 534 वाहनों को दिखाई हरी झंडी

पटना, (हि.स.)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को मोबाइल पशु चिकित्सा कॉल सेंटर का उदघाटन किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने 534 मोबाईल पशु चिकित्सा इकाईयों (वाहनों) को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इन सभी 534 मोबाइल पशु चिकित्सा इकाइयों (वाहनों) एवं मोबाइल पशु चिकित्सा कॉल सेंटर का उदेश्य पशुपालकों के द्वार पर पशु चिकित्सा (डोर स्टेप पशु चिकित्सा सेवा) सुविधा उपलब्ध कराना है। पशुपालकों को अपने बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय तक लाने में होने वाली कठिनाईयों को देखते हुए राज्य के सभी 534 प्रखंडों के लिए एक-एक मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई के परिचालन की व्यवस्था की गयी है। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाईयों के परिचालन से सुदूर इलाकों से बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय तक लाने में होने वाली कठिनाईयों से पशुपालकों को राहत मिलेगी, बीमार पशुओं को पशु चिकित्सालय लाने में लगने वाले समय एवं व्यय की बचत होगी। इसके साथ अस्वस्थ पशुओं की त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा संभव हो सकेगी। पशुओं के स्वास्थ्य एवं उत्पादकता में सुधार लाया जा सकेगा। पशुओं में संक्रामक रोग फैलने की स्थिति में रोग की त्वरित जांच एवं प्रभावी नियंत्रण भी किया जा सकेगा तथा पशुपालकों के बीच विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई जीपीएस सुविधा युक्त एक सुसज्जित वाहन है, जिसमें पशु रोगों की पहचान, पशु चिकित्सा एवं लघु सर्जरी, ऑडियो विजुअल प्रचार के लिए आवश्यक उपकरण के साथ पशुओं की चिकित्सा के लिए आवश्यक दवा इत्यादि के साथ कृत्रिम गभार्धान की सुविधा उपलब्ध रहेगी। मोबाइल पशु चिकित्सा इकाई में एक पशु चिकित्सक, एक पशु चिकित्सा सहायक एवं एक चालक-सह-परिचारी की व्यवस्था की गयी है। मोबाईल पशु चिकित्सा इकाई का परिचालन प्रत्येक कार्य दिवस में प्रातः नौ बजे से शाम पांच बजे तक किया जायेगा। पशुपालकों की सुविधा के लिए एक कॉल सेंटर की स्थापना राज्य मुख्यालय स्तर पर पशु स्वास्थ्य एवं उत्पादन संस्थान, पटना के परिसर में की गयी है।

कॉल सेन्टर में चार अनुभवी पशु चिकित्सकों एवं बारह कॉल सेंटर एक्जिक्यूटिव की व्यवस्था की गयी है। साथ ही एक मोबाइल एप्प भी विकसित किया गया है। पशुपालक अपने मोबाइल पर उक्त एप्प को डाउनलोड कर पशु चिकित्सा सेवाओं के लिए सम्पर्क कर सकते हैं। इस अवसर पर केंद्रीय मंत्री मत्स्यपालन, पशुपालन एवं डेयरी मंत्रालय राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, उप मुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा, पशु एवं मत्स्य संसाधन मंत्री रेणु देवी, मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव दीपक कुमार सहित पशु एवं मत्स्य संसाधन विभाग के अन्य वरीय अधिकारी उपस्थित थे।

ट्रांजेक्शन से जुड़ी फीस से बीमा प्रीमियम तक, जीएसटी काउंसिल की बैठक में हुए कई बड़े फैसले

नई दिल्ली।
गुड्स एंड सर्विस टैक्स (जीएसटी) काउंसिल की 54वीं बैठक में सोमवार को कई अहम ऐलान किए गए हैं। जीएसटी काउंसिल ने 2000 से कम के ट्रांजेक्शन के मर्चेंट फीस पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के मामले को फिटमेंट कमेटी को भेज दिया है। वर्तमान में पेमेंट एग्रीगेटर्स को 2,000 रुपये से कम की राशि के लेनदेन पर जीएसटी का भुगतान करने से छूट है। मीटिंग के बीच उत्तराखंड वित्त मंत्री ने बताया कि तीर्थ यात्रा पर जीएसटी घटाकर 5 प्रतिशत कर दिया गया है।

इस बीच खबर है कि काउंसिल की बैठक में बीमा प्रीमियम पर जीएसटी लगाए जाने के फैसले को टाल दिया गया है। अगली बैठक में इस मामले पर विचार किया जाएगा। खबर है कि जीएसटी काउंसिल ने स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी पर जीएसटी दर की विस्तार से जांच करने के लिए मंत्रियों का एक समूह गठित किया है। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की अध्यक्षता में जीएसटी परिषद की 54वीं बैठक अभी चल रही है। बता दें कि जीएसटी परिषद की अध्यक्ष वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण हैं और इसमें राज्यों के मंत्री शामिल हैं।

उत्तराखंड के वित्त मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल ने संवाददाताओं से कहा, केदारनाथ, बद्रीनाथ जैसी धार्मिक यात्राओं पर श्रद्धालुओं को ले जाने वाली हेलिकॉप्टर सेवाओं पर कर को 18 प्रतिशत से घटाकर पांच प्रतिशत कर दिया गया है। पहले इस बारे में कोई स्पष्टता नहीं थी। अब स्पष्टता होगी। अग्रवाल ने कहा कि काउंसिल ने डेबिट और क्रेडिट कार्ड के जरिये 2,000 रुपये तक के छोटे डिजिटल लेनदेन के लिए बिलडेस्क और सीसीएवेन्यू जैसे भुगतान एग्रीगेटरों (पीए) पर 18 प्रतिशत जीएसटी लगाने के मुद्दे को कर अनुशंसा समिति के पास भेज दिया है। इस समय भुगतान एग्रीगेटरों को 2,000 रुपये से कम की राशि के लेनदेन पर जीएसटी का भुगतान करने से छूट है। काउंसिल जीवन और स्वास्थ्य बीमा प्रीमियम के टैक्स पर फिटमेंट समिति की रिपोर्ट पर भी चर्चा कर सकती है।

न्यूज़ ब्रीफ

पीएफसी, कॉनकॉर और राइट्स ने लाभांश की किश्त के 712 रुपये सरकार को दिए

Power Finance Corporation Ltd.
(A Government of India Undertaking)
An ISO 9001:2015 & ISO 45001:2018 Certified Company
कॉनकॉर CONCOR
RITES THE INFRASTRUCTURE PEOPLE

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी), कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) और राइट्स लिमिटेड ने लाभांश किश्त के रूप में करीब 172 करोड़ रुपये दिए हैं। इन कंपनियों में पीएफसी ने करीब 601 करोड़ रुपये, कॉनकॉर ने 68 करोड़ रुपये और राइट्स लिमिटेड ने 43 करोड़ रुपये का भुगतान किया है। वित्त मंत्रालय के निवेश और लोकसंपत्ति प्रबंधन विभाग (दीपम) के सचिव ने सोमवार को एक्स पोस्ट पर जारी बयान में कहा कि सरकार को सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी पावर फाइनेंस कॉर्पोरेशन (पीएफसी), कंटेनर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (कॉनकॉर) तथा राइट्स लिमिटेड से लाभांश किश्त के रूप में क्रमशः लगभग 601 करोड़ रुपये, 68 करोड़ रुपये और 43 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं। इस तरह कुल मिलाकर सरकार को लाभांश किश्तों के रूप में करीब 172 करोड़ रुपये प्राप्त हुए हैं ।

कच्चा तेल 72 डॉलर प्रति बैरल के करीब पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर

नई दिल्ली। देश में पेट्रोल और डीजल की कीमत पूर्ववत है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में जरूर उतार-चढ़ाव जारी है। इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.86 रुपये और डीजल 92.44 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के पहले दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.88 डॉलर यानी 1.24 फीसदी की उछाल के साथ 71.94 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.86 डॉलर यानी 1.27 फीसदी की बढ़त के साथ 68.53 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

गूगल पर एक और मुकदमा, विज्ञापनों के एकाधिकार का मामला

मुंबई । विज्ञापनदाताओं के अब दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। गूगल के सर्च इंजन को एक न्यायाधीश द्वारा अवैध एकाधिकार वाला बताए जाने के करीब एक महीने बाद प्रौद्योगिकी क्षेत्र की कंपनी को उसकी विज्ञापन तकनीक को लेकर एक और मुकदमे का सामना करना पड़ रहा है। न्याय विभाग और राज्यों का तर्क है कि गूगल ने ऑनलाइन प्रकाशकों को विज्ञापनदाताओं से मिलाने वाली तकनीक पर एकाधिकार बनाया है और उसे कायम रखा है।सरकार ने अदालती दस्तावेजों में तर्क दिया है कि लेन-देन के खरीद और बिक्री दोनों पक्षों को लेकर सॉफ्टवेयर पर प्रभुत्व रखने से गूगल को प्रकाशकों और विज्ञापनदाताओं के बीच बिक्री के लिए दलाली करने पर एक डॉलर पर 36 सेंट तक अर्जित करने में मदद मिलती है। गूगल का कहना है कि सरकार का मामला पुराने जमाने के इंटरनेट पर आधारित है, जब डेस्कटॉप कंप्यूटर का बोलबाला था और इंटरनेट उपयोगकर्ता यूआरएल फील्ड में बड़ी सावधानी से सही-सही वर्ल्ड वाइड वेब पता टाइप करते थे। विज्ञापनदाताओं के अब दर्शकों तक पहुंचने के लिए टिकटॉक जैसी सोशल मीडिया कंपनियों या पीकॉक जैसी स्ट्रीमिंग टीवी सेवाओं की ओर रुख करने की अधिक संभावना रहती है। कंपनी की वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार हाल के वर्षों में, कैलिफोर्निया के माउंटेन व्यू से संचालित दिग्गज प्रौद्योगिकी कंपनी के विभाग गूगल नेटवर्क की आय में गिरावट देखी गई है, जो 2021 में 31.7 अरब अमेरिकी डॉलर से घटकर 2023 में 31.3 अरब अमेरिकी डॉलर रह गई है। गूगल नेटवर्क के तहत 'एडसेंस' और गूगल ऐड मैनेजर जैसी सेवाएं शामिल हैं, जो इस मामले के केंद्र में हैं।

शेयर बाजार ने फिर पकड़ी रफ्तार, सेंसेक्स और निफ्टी ने लगाई छलांग

निवेशकों को एक दिन में 36 हजार करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली।
पिछले सप्ताह के आखिरी तीन दिन तक गिरावट का सामना करने के बाद घरेलू शेयर बाजार ने सप्ताह के पहले दिन सोमवार को ही अपनी मजबूती दिखाई। हालांकि कारोबार की शुरुआत भी गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद बिकवाली के दबाव के कारण सेंसेक्स और निफ्टी की कमजोरी और बढ़ गई, लेकिन पहले घंटे के कारोबार के बाद खरीदारी का सपोर्ट मिल जाने की वजह से शेयर बाजार ने मजबूती की राह पकड़ ली। पूरे दिन के कारोबार के बाद सेंसेक्स 0.46 प्रतिशत और निफ्टी 0.34 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुए।

सोमवार को दिन भर के कारोबार के दौरान बैंकिंग, एफएमसीजी और फाइनेंशियल सेक्टर के शेयरों में जम कर खरीदारी होती रही। ऑयल एंड गैस, मेटल और आईटी सेक्टर के शेयरों में बिकवाली का दबाव बना रहा। इसके साथ ही कैपिटल गुड्स, मीडिया, टेलीकॉम, पावर और रियल्टी इंडेक्स भी गिरावट के साथ बंद हुए। ब्रॉडर मार्केट में भी लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण बीएसई का मिडकैप इंडेक्स 0.28 प्रतिशत की कमजोरी के साथ बंद हुआ। इसी तरह स्मॉलकैप इंडेक्स ने 0.65 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार का अंत किया।

सोमवार को शेयर बाजार में आई मजबूती के कारण स्टॉक मार्केट के निवेशकों की संपत्ति में 36 हजार करोड़ रुपये का इजाफा हो गया। बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का मार्केट कैपिटलाइजेशन कारोबार के बाद बढ़ कर 460.54 लाख करोड़ रुपये (अस्थाई) हो गया जबकि पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को इनका मार्केट कैपिटलाइजेशन 460.18 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह निवेशकों को सोमवार के कारोबार से करीब 36 हजार करोड़ रुपये का मुनाफा हो गया।

सोमवार को दिन भर के कारोबार में बीएसई में 4,181 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें 1,667 शेयर बढ़त के साथ बंद हुए, जबकि 2,371 शेयरों में गिरावट का रुख रहा, वहीं 143 शेयर बिना किसी उतार चढ़ाव के बंद हुए। एनएसई में 2,481 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हुई। इनमें से 888 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में और 1,593 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान में बंद हुए। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 14 शेयर बढ़त के साथ और 16 शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 26 शेयर हरे निशान में और 24 शेयर लाल निशान में बंद हुए।

बीएसई का सेंसेक्स सोमवार को 210.18 अंक की कमजोरी के साथ 80,973.75 अंक के स्तर पर खुला। कारोबार की शुरुआत होते ही बिकवाली का दबाव बन जाने के कारण ये सूचकांक 288.88 टूट कर 80,895.05 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने बाजार में लिवाली का जोर बना दिया, जिसके कारण इस सूचकांक में तेजी आ गई। लगातार हो रही लिवाली के सपोर्ट से सोमवार को कारोबार खत्म होने का थोड़ी देर पहले ये सूचकांक निचले स्तर से करीब 750 अंक उछल कर 469.43 अंक की मजबूती के साथ 81,653.36 अंक के स्तर पर पहुंच गया। हालांकि आखिरी वक्त में इंट्रा-डे सेटलमेंट के कारण हुई बिकवाली की वजह से सेंसेक्स ऊपरी स्तर से थोड़ा नीचे खिसक कर 375.61 अंक की तेजी के साथ 81,559.54 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने सोमवार को 28.75 अंक लुढ़क कर 24,823.40 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। शुरुआती कारोबार में बिकवाली का दबाव बन जाने से थोड़ी देर में ही ये सूचकांक 99 अंक टूट कर 24,753.15 अंक के स्तर पर पहुंच गया। इस गिरावट के बाद खरीदारों ने बाजार में मोर्चा संभाला और चौतरफा लिवाली शुरू कर दी। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से ये सूचकांक कारोबार खत्म होने के थोड़ी देर पहले निचले स्तर से 200 अंक से अधिक की छलांग लगा कर 105.35 अंक की तेजी के साथ 24,957.50 अंक के स्तर तक पहुंच गया। पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद निफ्टी ने 84.25 अंक की बढ़त के साथ 24,936.40 अंक के स्तर पर कारोबार का अंत किया।

पूरे दिन हुई खरीद बिक्री के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से हिंदुस्तान यूनिलीवर 2.92 प्रतिशत, श्रीराम फाइनेंस 2.47 प्रतिशत, आईसीआईसीआई बैंक 2.22 प्रतिशत, आईटीसी 2 प्रतिशत और ब्रिटानिया 1.64 प्रतिशत की मजबूती के साथ सोमवार को टॉप 5 गेनर्स की सूची में शामिल हुए। ओएनजीसी 3.21 प्रतिशत, टेक महिंद्रा 2.71 प्रतिशत, हिंडाल्को इंडस्ट्रीज 1.28 प्रतिशत, एनटीपीसी 1.25 प्रतिशत और बीपीसीएल 1.24 प्रतिशत की कमजोरी के साथ टॉप 5 लूजर्स की सूची में शामिल हुए।

गोल्ड ईटीएफ में बढ़ा निवेश, लगातार चौथे महीने हुआ इजाफा

नई दिल्ली।
अगस्त के महीने में गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड (ईटीएफ) में एक बार फिर तेजी दर्ज की गई है। इस दौरान गोल्ड ईटीएफ में 29 टन का अतिरिक्त निवेश हुआ है। इस अतिरिक्त निवेश की वजह से अगस्त के महीने में गोल्ड ईटीएफ की होल्डिंग बढ़ कर 3,182 टन हो गई है। ये लगातार चौथा महीना है, जब निवेशकों ने गोल्ड ईटीएफ में अपना निवेश बढ़ाया है।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल की रिपोर्ट के अनुसार नॉर्थ अमेरिका और यूरोप में गोल्ड ईटीएफ में निवेश सबसे अधिक बढ़ा है। इसमें निवेश बढ़ने की वजह से इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में भी सोने की कीमत में तेजी आई है। सोना लगातार तीसरे हफ्ते 2,500 डॉलर प्रति ऑन्स के स्तर के ऊपर कारोबार कर रहा है। इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट में सोने के भाव में तेजी आने की वजह से देश के सर्राफा बाजारों में भी सोना 73 हजार रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर के करीब पहुंच कर कारोबार कर रहा है।

सोने की तरह ही चांदी में भी लगातार तेजी बनी हुई है। पिछले सप्ताह चांदी 29 डॉलर के स्तर को पार कर गया। चांदी के भाव में आई तेजी के कारण मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर भी सोने के भाव में तेजी बनी हुई है। पिछले हफ्ते एमसीएक्स पर चांदी का भाव करीब 4 प्रतिशत तक चढ़ गया।

बुलियन मार्केट एक्सपर्ट मयंक मोहन के मुताबिक गोल्ड ईटीएफ में लगातार निवेश बढ़ने के पीछे एक बड़ी वजह डॉलर इंडेक्स में आई गिरावट भी है। गिरते डॉलर के कारण भी सोने को सपोर्ट मिल रहा है। इसके साथ ही मिडिल ईस्ट में जारी तनाव और यूक्रेन-रूस जंग की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने की मांग में तेजी आई है।

इसी तरह सोलर इंडस्ट्री और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री के कारोबार में तेजी आने की वजह से अंतरराष्ट्रीय बाजार में चांदी की मांग में भी बढ़ोतरी हुई है। इस वजह से गोल्ड ईटीएफ के प्रति दुनिया भर के निवेशकों का रुझान बढ़ा है। मयंक मोहन के मुताबिक अगले सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों को लेकर फैसला करने वाला है। ब्याज दरों के संबंध में फैसला आने के बाद इंटरनेशनल गोल्ड मार्केट की चाल में भी बदलाव आ सकता है, जिसका असर गोल्ड ईटीएफ में होने वाले निवेश पर भी पड़ेगा।

दो साल में मंगल ग्रह पर लांच किया जाएगा पहला स्टारशिप मिशनः मस्क

सैन फ्रांसिस्को ।
टेस्ला और स्पेसएक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि मंगल ग्रह पर पहला अनक्रूड स्टारशिप मिशन दो साल में लांच किया जा सकता है। स्टारशिप दुनिया का सबसे शक्तिशाली रॉकेट है। इसका उपयोग इंसानों को चंद्रमा और फिर अंत में मंगल ग्रह पर भेजने के लिए किया जाएगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में टेक अरबपति ने कहा कि मंगल ग्रह पर पहला स्टारशिप दो साल में लॉन्च होगा। मंगल ग्रह पर लैंडिंग की विश्वसनीयता का परीक्षण करने के लिए इन्हें शामिल किया जाएगा। अगर लैंडिंग अच्छी रही, तो मंगल ग्रह पर पहले क्रू की उड़ान उड़ान चार साल में होगी। उन्होंने आगे कहा कि लगभग 20 वर्षों में एक शहर बनाने का लक्ष्य है, जो खुद की जरूरतों को पूरा करने में सक्षम होगा।

आने वाले वर्षों में किसी ना किसी ग्रह पर मानव जीवन को शुरू करने की तैयारी भी होगी। मस्क की एयरोस्पेस कंपनी स्पेसएक्स ने पहली पूरी तरह से रियूज होने वाली रॉकेट का निर्माण किया है। इससे स्पेश मिशन पर आने वाले खर्चों में काफी कमी आएगी।

मस्क ने बताया कि मंगल ग्रह पर चुनौतीपूर्ण माहौल है। मानव के लिए स्थितियां उचित नहीं है। इसके बावजूद हम आने वाले सालों में ऐसा करने में सक्षम हो सकते हैं, इसके लिए हमें मौजूदा तकनीक को 10 हजार गुना बेहतर करने की जरूरत होगी।

स्पेसएक्स ने हाल ही में हेवी बूस्टर के साथ अपने 400 फुट ऊंचे स्टारशिप की तीसरी परीक्षण उड़ान शुरू की है। स्टारशिप में एक विशाल बूस्टर होता है, जिसे सुपर हेवी कहा जाता है। इसमें ऊपरी हिस्से में एक अंतरिक्ष यान भी है, जिसे स्टारशिप कहा जाता है। स्पेसएक्स के सीईओ कम से कम दस लाख लोगों को मंगल ग्रह पर भेजने की योजना बना रहे हैं।

सर्राफा बाजार में मामूली गिरावट सोना और चांदी की घटी कीमतें

नई दिल्ली।
घरेलू सर्राफा बाजार में सप्ताह के पहले दिन ही गिरावट का रुख नजर आ रहा है। कीमत में हुई गिरावट के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 73,010 रुपये से लेकर 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 66,940 रुपये से लेकर 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। कीमत में आई गिरावट के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में चांदी की कीमत 84,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 73,010 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,940 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में मामूली गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 72,860 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,790 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली।
ग्लोबल मार्केट से सोमवार को कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में बिकवाली का दबाव बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स बढ़त के साथ कारोबार करता नजर आ रहा है। अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार कमजोरी बनी रही। एशियाई बाजार में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है।

रोजगार के कमजोर आंकड़ों की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान निराशा का माहौल बना रहा। इंट्रा-डे में वॉल स्ट्रीट के सूचकांक 2.75 प्रतिशत तक टूट गए। एसएंडपी 500 इंडेक्स पिछले सत्र के दौरान 94.99 अंक यानी 1.73 प्रतिशत की गिरावट के साथ 5,408.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 436.83 अंक यानी 2.55 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 16,690.83 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 0.16 प्रतिशत की बढ़त के साथ 40,411.80 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार की तरह ही यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली का दबाव बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.74 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,181.47 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 1.08 प्रतिशत टूट कर 7,352.30 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 274.60 अंक यानी 1.50 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 18,301.90 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर बिकवाली का दबाव बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से सिर्फ 1 का सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहा है, जबकि 8 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। एशियाई बाजारों में इकलौता स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स फिलहाल 0.96 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,487.63 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.33 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 24,844.50 में अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह कोस्पी इंडेक्स 0.76 प्रतिशत टूट कर 2,524.88 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। ताइवान वेटेड इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 422.38 अंक यानी 1.97 प्रतिशत लुढ़क कर 21,012.81 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। इसी तरह हैंग सेंग इंडेक्स 333.57 अंक यानी 1.91 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 17,110.73 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसके अलावा निक्केई इंडेक्स 666.39 अंक यानी 1.83 प्रतिशत लुढ़क कर 35,725.08 अंक के स्तर पर, सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1,420.90 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.46 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 7,685.98 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.93 प्रतिशत टूट कर 2,740.37 अंक के स्तर पर कारोबार करते नजर आ रहे हैं।

लियोनन मेसी से प्रभावित है जूडो खिलाड़ी तूलिका मान

नई दिल्ली।
पेरिस ओलंपिक में भारत की एकमात्र महिला जूडो खिलाड़ी तूलिका मान अपना आदर्श अर्जेंटीना के स्टार फुटबॉलर लियोनन मेसी को मानती हैं। तूलिका ने अपनी रैंकिंग के आधार पर पेरिस 2024 में जगह बनाकर अपनी मां का सपना पूरा किया था हालांकि वह महिलाओं के 78 किग्रा भार वर्ग में शुरुआती दौर में ही क्यूबा की इडालिस ओर्टिज़ से हार के साथ ही बाहर हो गयीं थीं। इससे पहले सुशीला देवी टोक्यो 2020 में जूडो में भारत की एकमात्र प्रतिभागी थीं, लेकिन वह भी महिलाओं के 48 किग्रा वर्ग में शुरुआती दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थीं।

मेसी की शांत रहने की क्षमता और मैच से पहले एक कोने में बैठकर अपने पर ध्यान करने की आदत से तूलिका बेहद प्रभावित थीं। इन आदतों का पालन करने के कारण ही वह एक बेहतर जूडोका बनने में सफल रही हैं।

नेशनल जूनियर लेवल पर सिल्वर मेडल जीतने वाली तूलिका के करियर की सही मायनों में शुरुआत हुई 2018 में, जब उन्होंने जयपुर में कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप में जीत हासिल की थी। अगले ही साल उन्होंने फिर से कॉमनवेल्थ चैंपियनशिप जीती और साउथ एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल भी अपने नाम किया। साल 2022 में बर्मिंघम में कॉमनवेल्थ गेम्स में सिल्वर मेडल जीतना उनके करियर का सबसे बड़ा मोड़ साबित हुआ। इसने उनके करियर को जबरदस्त तेजी दी पर वह उस मैच के बाद चोटिल भी हो गई थीं।

यह चोट तूलिका के लिए आसान नहीं थी। जूडो प्लेयर होने के नाते उनको हमेशा डर रहता था कि चोट उनसे इस खेल को छीन न ले। तब उनके कोच ने समझाया था कि अगर बॉडी का निचला हिस्सा चोटिल हुआ है तो ऊपर के हिस्से की ट्रेनिंग करो और अगर ऊपर चोट लगे तो निचले हिस्से की ट्रेनिंग करते रहो। जिससे अभ्यास कभी न छूटे। मेसी को फॉलो करना तूलिका के लिए लाभदायक रहा। उन्होंने धैर्य से रिकवरी टाइम को अच्छे रिहैबिलिटेशन में बिताया। उसके बाद तूलिका ने राष्ट्रीय खेलों में स्वर्ण पदक जीता। जूडो में शरीर को मजबूत करने के लिए फिजिकल ट्रेनिंग की जाती है तो मेंटल ट्रेनिंग भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। मानसिक तौर पर फिट रहने के लिए तूलिका योग करती हैं।

तूलिका मान पेरिस 2024 ओलंपिक में भारत की एकमात्र जूडो खिलाड़ी थीं। उन्होंने अभी महज 25 साल की तूलिका से भारत को आगे काफी उम्मीद है।

इस बार आईपीएल मेगा नीलामी में उतरेंगे स्मिथ

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अवसर मिलने की उम्मीद है। उनका मानना है कि मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) में अपने अच्छे प्रदर्शन का लाभ उन्हें मिलेगा। इससे वह टी20 के भी अच्छे खिलाड़ी साबित हुए हैं। इसलिए उन्हें आईपीएल के अगले सत्र में अवसर मिल सकता है , इसलिए वह इस बार मेगा नीलामी में उतरेंगे।

न्यूज ब्रीफ

रेलवे ने पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट का इस्तीफा किया स्वीकार

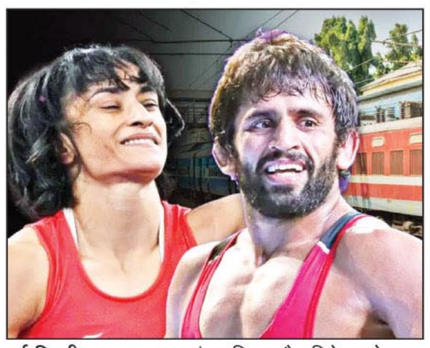

नई दिल्ली। पहलवान बजरंग पुनिया और विनेश फोगाट ने रेलवे में अपने-अपने पदों से इस्तीफा दे दिया था जिसे स्वीकार कर लिया गया है। उत्तर रेलवे ने कहा कि बजरंज और विनेश के इस्तीफे स्वीकार कर लिए गये हैं। इन दोनो ही पहलवानों ने कांग्रेस पार्टी में शामिल होने से पहले इस्तीफे दे दिए थे। विनेश ने रेलवे की सरकारी नौकरी से इस्तीफे की जानकारी सोशल मीडिया पर साझा की थी। विनेश ने इसमें कहा, भारतीय रेलवे की सेवा मेरे जीवन का एक यादगार और गौरवपूर्ण समय रहा है। जीवन के इस मोड़ पर मैंने स्वयं को रेलवे सेवा से अलग करने का फैसला लेते हुए अपना त्यागपत्र भारतीय रेलवे के सक्षम अधिकारियों को सौंप दिया है। राष्ट्र की सेवा में रेलवे द्वारा मुझे दिये गये इस अवसर के लिए मैं भारतीय रेलवे की सदैव आभारी रहूंगी। पेरिस ओलंपिक के फाइनल में पहुंचने के बाद वजन के कारण अयोग्य करार दिये जाने पर विनेश ने कुश्ती से से संन्यास की घोषणा कर दी थी। उसके बाद हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री कांग्रेस नेता भूपेंद्र हुड्डा ने उन्हें राज्यसभा में भेजे जाने की बात कही थी पर उम्र कम होने के कारण ऐसा संभव नहीं था। इस कारण अब उन्हें विधानसभा चुनावों में उतारा जा रहा है।

क्रिस्टियानो रोनाल्डो के गोल से पुर्तगाल ने नेशन्स कप जीता

लंदन। पुर्तगाल ने नेशन्स कप फुटबॉल टूर्नामेंट में स्कॉटलैंड को 2-1 से हरा दिया है। पुर्तगाल की इस जीता में स्टार स्ट्राइकर क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अहम भूमिका रही। रोनाल्डो ने इस मैच में रिकार्ड 132 वां गोल किया। रोनाल्डो मध्यांतर के बाद स्थानापन्न खिलाड़ी के रूप में उतरे और उन्होंनें 88वें मिनट में एक गोल दागा जिससे टीम को जीत मिली। रोनाल्डो का यह अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में 132वां गोल था। इसी के साथ ही उन्होंने एक नया रिकार्ड कायम किया। रोनाल्डो यूरोपीय चैंपियनशिप के पांच मैचों में एक भी गोल नहीं कर पाए थे पर इसके बाद भी कोच रॉबर्ट मार्टिनेज ने उन्हें मैदान में उतारा और ये फैसला सही साबित हुआ। इससे पहले क्रोएशिया पर पुर्तगाल की 2-1 की जीत में भी रोनाल्डो की अहम भूमिका रही थी।

पेरिस पैरालिंपिक खेलों में भारतीयों ने किया अब तक का सबसे अच्छा प्रदर्शन करार करना चाहते हैं कई दिग्गज ब्रांड

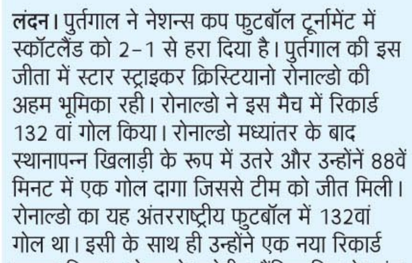

पेरिस। पेरिस में हुए पैरालिंपिक खेलों का समापन हो गया है। इसमें भारतीय पैरा दल ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल 29 पदक हासिल किये। इसमें 7 स्वर्ण, 9 रजत और 13 कांस्य पदक शामिल हैं। ये पैरालिंपिक खेलों में भारत का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। इससे पहले टोक्यों में हुए खेलों में भारतीय दल ने 19 पदक जीते थे। इस प्रकार 10 पदक अधिक मिले हैं। इससे अब विभिन्न कंपनियों के नामी ब्रांड भी खिलाड़ियों से करार करना चाहते हैं जो एक अहम बदलाव माना जा रहा है क्योंकि अब तक इन खिलाड़ियों को विज्ञापनदाता नहीं मिलते थे। पेरिस में भाला फेंकने में सुमित अंतिल और महिला निशानेबाज अवनि लेखरा ने लगातार दूसरी बार पैरालंपिक खेलों में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं बैडमिंटन में स्वर्ण विजेता नीतेश कुमार के अलावा ट्रैक-इन-फील्ड में प्रीति पाल और तीरंदाजी में हरविंदर सिंह, ने भी जीत हासिल की। भारतीय खिलाड़ियों की इस सफलता के पीछे उन्हें मिले बेहतर प्रशिक्षण और सुविधाओं की अहम भूमिका रही पदक विजेता खिलाड़ियों ने कहा है कि सुविधाओं से लेकर धन की उपलब्धता सभी लिहाज से स्थिति पहले से बेहतर हुई हैं , उसी का परिणाम है कि पहले से अधिक पदक मिले हैं।' इसके अलावा खिलाड़ियों को मिल रहें समर्थन से भी उनका हौंसला बढ़ा है। वहीं पदक विजेता निशानेबाज मोना अग्रवाल ने कहा है कि ब्रांड या सरकार जो भी उभरते हुए खिलाड़ियों को मदद देना चाहते हैं वे जल्द से जल्द आगे आएं।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का विजय अभियान जारी

चीन के बाद जापान को हराकर दर्ज की लगातार दूसरी जीत

हुलुनबुइर।
हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में विजय अभियान सोमवार को भी जारी रहा। मेजबान चीन को हराने के बाद गत चैंपियन भारतीय टीम ने जापान को 5-1 से मात दी और ग्रुप चरण में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। भारत की इस जीत में सुखजीत ने अहम योगदान दिया जिन्होंने दो गोल किए।

सुखजीत ने दूसरे और 60वें मिनट में गोल किए, जबकि अभिषेक (तीसरे), संजय (17वें) और उत्तम सिंह (54वें) अन्य भारतीय गोल करने वाले खिलाड़ी रहे। मात्सुमोतो काजुमासा ने 41वें मिनट में जापान के लिए एकमात्र गोल किया।

रविवार को अपने शुरुआती लीग मैच में चीन को 3-0 से हराने वाली चार बार की चैंपियन भारतीय टीम को दो पेनल्टी कॉर्नर मिले, जबकि जापान की टीम ने पांच पेनल्टी कॉर्नर हासिल किए।

भारत का अब मलेशिया से होगा सामना

हरमनप्रीत सिंह की अगुआई वाली टीम बुधवार को पिछले चरण की उपविजेता टीम मलेशिया से भिड़ेगी। मंगलवार को आराम का दिन है। छह टीमों के बीच राउंड-रॉबिन लीग के बाद शीर्ष चार टीमें 16 सितंबर को खेले जाने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालिफाई करेंगी। फाइनल 17 सितंबर को होगा।

कैप्टन मोहन बिश्नोई की स्मास मास्टर टीम ने जीती राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग

मुरादाबाद। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ मुरादाबाद के तत्वावधान में राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग में कैप्टन मोहन बिश्नोई की टीम स्मास मास्टर कांठ बैडमिंटन प्रीमियर लीग की विजेता बनी। बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी ने बताया कि स्मास मास्टर टीम ने कैप्टन खुर्शीद की फीदर फोर्स टीम को 3-2 से शिकस्त दी। भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कैप्टन मोहन बिश्नोई की टीम स्मास मास्टर को ट्राफी प्रदान की। नेताजी सुभाष चंद्र बोस सोनकपुर स्टेडियम रामगंगा विहार में देर रात्रि जीती राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग सम्पन्न हुआ। कृष्णावती बैडमिंटन क्लब कांठ के प्रबंधक अचल विश्नोई ने बताया कि राज्य स्तरीय पुरुष बैडमिंटन कांठ प्रीमियर लीग में मुरादाबाद के अलावा बरेली, आगरा, बिजनौर, बदायूं, अमरोहा, संभल आदि जनपदों के खिलाड़ी प्रतिभा किया। प्रीमियर लीग में 4 टीमों में 72 खिलाड़ी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रत्येक टीम में 18-18 खिलाड़ी शामिल रहे। लीग मैच के बाद सेमीफाइनल और अंत में फाइनल मुकाबला हुआ। प्रतियोगिता का परिणाम देर रात्रि 1 बजे घोषित हुआ। समापन के मौके पर मुख्य अतिथि भाजपा महानगर अध्यक्ष संजय शर्मा ने कहा कि खेल में हार जीत से फर्क नहीं पड़ता जो अच्छा खेलता हैं उसे सफलता मिलती हैं। उन्होंने आगे कहा कि सफलता न मिलने पर हमें अपनी कमियों पर मंथन करना चाहिए। इससे हमें भविष्य में निश्चित ही जीत मिलेगी। प्रतियोगिता बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी के निर्देशन में सम्पन्न हुई। प्रीमियर लीग क्लोसिंग सेरेमनी का संचालन निमित जायसवाल ने किया। सभी का आभार मोहन विश्नोई अचल विश्नोई ने व्यक्त किया। इस मौके पर आयोजकों के द्वारा सभी अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। इस मौके पर विशिष्ट अतिथि स्प्रिंगफील्ड कालेज के प्रबंध विपिन जेटली, पूर्व जूडो कोच सतीश चंद्र शर्मा, बैडमिंटन प्रशिक्षक कोच आसिफ सिद्दीकी, भाजपा पार्षद सुरेंद्र विश्नोई, योगेश शर्मा, आयोजक मंडल से मोहन विश्नोई, रोमी माहेश्वरी, सोहन विश्नोई, दीपक विश्नोई, आशीष, गोविंद सिंह मटेला, दीपक भारद्वाज, मनीष भट्ट, आयुष बजाज, रोहित अग्रवाल, आशु यादव, नरेंद्र बिश्नोई, डा हिमांशु यादव, देशकांत त्यागी आदि रहे।

अफगानिस्तान-न्यूजीलैंड टेस्ट मैच में उभरा मीडिया एक्रीडेशन विवाद

ग्रेटर नोएडा।
अफगानिस्तान और न्यूजीलैंड के बीच खेले जाने वाले एक मात्र टेस्ट मैच को लेकर एक विवाद सामने आ रहा है। दरअसल ये मसला अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड की ओर से मीडिया पर्सन्स के लिए कोई व्यवस्था नहीं किए जाने से जुड़ा है।

वैसे तो ये टेस्ट मैच आज सोमवार को सुबह 10 बजे से ग्रेटर नोएडा के ग्रेटर नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स ग्राउंड (शहीद विजय सिंह स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स) में शुरू होना है लेकिन इसके बावजूद इसे कवर करने को लेकर पत्रकारों को स्पष्ट सूचना नहीं है। इतना ही नहीं मीडिया एक्रीडेशन/रजिस्ट्रेशन कराने के बाद भी पत्रकारों को कार्ड देने के लिए मैच के दिन सुबह बुलाया गया और फिर कुछ पत्रकारों को यह कहकर लौटाया गया कि उनका आवेदन नहीं आया है, जबकि मीडियाकर्मियों का कहना था कि उन्होंने चार दिन पहले रजिस्ट्रेशन कराया था।

ऐसे में एक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच को कवर करने में भी मीडिया पर्सन्स को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।जबकि पत्रकारों के एक ग्रुप का कहना है कि रजिस्ट्रेशन तक के सारे प्रोसेस ठीक से हुए। लेकिन आज कुछ चुनिंदा पत्रकारों को ही वरीयता देते हुए एक्रीडेशन में धांधली की गई है।

वहीं, इस मामले में अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के एक वरिष्ठ अधिकारी (जो मीडिया का काम देख रहे थे) के पास कोई संतोष जनक जवाब नहीं था।

स्टेडियम में 40 रुपए में मिल रहा आधा लीटर पानी

वहीं स्टेडियम में मैच देखने आए दर्शकों को कुछ समस्याओं का सामना करना पड़ा, खासकर पानी को लेकर। यहां दर्शकों को आधा लीटर पानी के लिए 40 रुपए खर्च करने पड़े।

अवसर मिला तो आरसीबी की ओर से खेलूंगा : रिंकू

नई दिल्ली। बल्लेबाज रिंकू सिंह ने कहा है कि अवसर मिलने पर वह रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की ओर से भी खेलना चाहेंगे। रिंकू अभी कोलकाता नाइटराइडर्स (केकेआर) की ओर से आईपीएल में खेलते हैं। रिंकू के इस बयान से सभी हैरान हैं। रिंकू को आईपीएल में केकेआर की ओर से किये धमाके दार प्रदर्शन के कारण ही टीम इंडिया में भी जगह मिली है।
रिंकू के अनुसार आईपीएल के अगले सत्र में यदि केकेआर की टीम ने उन्हें नहीं रखा तो वह आरसीबी जाकर विराट कोहली के साथ खेलना चाहेंगे।

बांग्लादेश के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित, ऋषभ की वापसी, यश को मिला मौका

मुम्बई (ईएमएस)। बांग्लादेश के खिलाफ इसी माह 19 सितंबर से होने वाली दो टेस्ट मैचों की घरेलू सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारतीय टीम घोषित कर दी गयी है। इस सीरीज का पहला टेस्ट चेन्नई और दूसरा कानपुर में खेला जाएगा। टीम में आक्रामक विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत की वापसी हुई है। ऋषभ 2022 में कार हादसे से उबरने के बाद पहली बार टेस्ट खेलते नजर आयेंगे। उन्हें दिलीप ट्रॉफी में बेहतर प्रदर्शन का लाभ मिला है।

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस सीरीज के लिए जो टीम घोषित की है उसमें श्रेयस अय्यर शामिल नहीं हैं। अय्यर ने दिलीप ट्रॉफी में अच्छी बल्लेबाजी कर अपना दावा पेश किया था पर वह बोर्ड का भरोसा हासिल नहीं कर पाये। टीम में जिस फैसले से सभी हैरान है वह है यश दयाल को शामिल किया जाना। यश वहीं गेंदबाज हैं जिनपर पिछले आईपीएल में रिंकू सिंह ने लगातार पांच छक्के लगाये थे। वहीं युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को भी टीम में रखा गया है। बीसीसीआई ने कहा कि पुरुष चयन समिति ने बांग्लादेश के खिलाफ आईडीएफसी फर्स्ट बैंक टेस्ट सीरीज के पहले टेस्ट के लिए भारत की 16 सदस्यीय टीम का चयन कर लिया है। इस टेस्ट सीरीज से साल 2024-25 के लिए भारत के अंतरराष्ट्रीय घरेलू सत्र की शुरुआत होगी। इस सीरीज के बाद बांग्लादेश के खिलाफ तीन टी20 मैच भी खेले जाएंगे। जिसके लिए सीरीज का चयन अभी होना है।

टीम इस प्रकार है

रोहित शर्मा (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, विराट कोहली, केएल राहुल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), ध्रुव जुरेल (विकेटकीपर), आर अश्विन, आर जड़ेजा, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, मो. सिराज, आकाश दीप, जसप्रीत बुमरा, यश दयाल।

डीपीएल : बारिश की वजह से टीम का बाहर होना बहुत दुर्भाग्यपूर्ण : पंत

नई दिल्ली।
भारतीय विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत ने अरुण जेटली स्टेडियम में खेले जा रहे दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) में टीम की कड़ी मेहनत और उनके अनुशासन की जमकर प्रशंसा की।

उन्होंने एक बयान में कहा, साउथ दिल्ली सुपरस्टारज़ के खिलाफ दूसरा सेमीफाइनल बारिश के कारण भले ही रद्द हो गया हो, लेकिन निराश होने जरूरत नहीं है, कुछ चीजें हमारे हाथ में नहीं होती और इस बार भी कुछ ऐसा ही है। हालांकि पुरानी दिल्ली 6 ने जिस तरह से यहां तक सफर का तय किया है, वह निश्चित तौर पर बधाई के पात्र हैं।

दिलीप ट्रॉफी के चलते ऋषभ टूर्नामेंट में भले ही ना खेल रहे हों, लेकिन पुरानी दिल्ली 6 की हर छोटी बड़ी चीजों पर उनकी निगाह लगातार बनी रहती है। उन्होंने कहा कि, मैने देखा कि यहां तक पहुंचने के लिए लड़कों ने कितनी कड़ी मेहनत की है, मैं उनके धैर्य और दृढ़ संकल्प की सराहना करता हूं। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि बारिश ने हमारे अभियान पर रोक लगा दी, लेकिन वो कहते हैं ना अगर कुछ जाता है तो कुछ आता है। इसी तरह हमने भी इस सीज़न में कुछ खास बनाया है और मुझे विश्वास है कि हम अगले साल खिताब के लक्ष्य के साथ और मजबूत वापसी करेंगे।

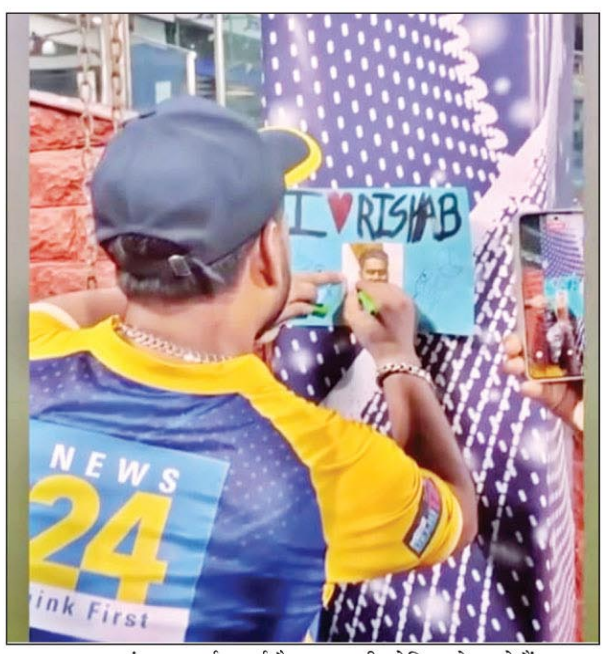

वहीं प्रैक्टिस से लेकर ग्राउंड तक में हर छोटी से छोटी बारीकियों को समझाने वाले इशांत भी इस तरह से टीम के बाहर हो जाने से काफी निराश हैं।

उन्होंने टीम की तारीफ करते हुए कहा , बिना खेले ही सेमीफ़ाइनल से बाहर हो जाना काफी दुखद है। मैंने देखा है कि लड़कों ने पूरे टूर्नामेंट में कितना दिल से प्रयास किया है, ऐसे में इस तरह की चीजें निराश तो करती ही हैं, लेकिन मुझे गर्व है अपनी टीम पर जिन्होंने हमेशा मेरा और टीम का सिर ऊंचा रखा। मुझे पूरी उम्मीद है की हम अगले सीजन में ऐसी वापसी करेंगे कि सब देखते रह जायेंगे।

नियमों के अनुसार यदि बारिश के चलते मैच रद्द होते हैं तो अंक तालिका में जो टीम ऊपरी पायदान स्थान पर होगी, वह अपने आप टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंच जाएगी।

अफगानिस्तान के खिलाफ एकदिनी श्रृंखला के लिए लुंगी की द. अफ्रीकी टीम में वापसी

जोहानसबर्ग।
जेसन स्मिथ, नकाबा पीटर और एमडिले सिमलेन को संयुक्त अरब अमीरात में अफगानिस्तान और आयरलैंड के खिलाफ आगामी श्रृंखला के लिए पहली बार दक्षिण अफ्रीका की एकदिवसीय टीम में शामिल किया गया है।

दक्षिण अफ्रीका को 18 सितंबर से शारजाह मे अफगानिस्तान के खिलाफ तीन वनडे मैच खेलने हैं। इसके बाद 27 सितंबर से अबू धाबी में आयरलैंड के खिलाफ दो टी-20 और तीन वनडे मैच खेले जाएंगे।

लेगस्पिनर पीटर और ऑलराउंडर जेसन ने इस साल की शुरुआत में क्रमशः मई और अगस्त 2024 में वेस्टइंडीज के खिलाफ अपना टी20ई डेब्यू किया था। पीटर ने दो मैच खेले हैं और तीन विकेट लिए हैं, जबकि जेसन ने केवल एक मैच खेला है और छह रन बनाए हैं।

हालाँकि, सिमेलेन के लिए यह अंतरराष्ट्रीय टीम में उनका पहला कॉल-अप है। 21 वर्षीय ऑलराउंडर की पहचान एक उच्च क्षमता वाली प्रतिभा के रूप में की गई है और वह अगस्त में हाल ही में संपन्न जिम्बाब्वे के दक्षिण अफ्रीका इमर्जिंग टूर का हिस्सा थे। उन्होंने एक दिवसीय श्रृंखला में श्रीलंका ए के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका ए का भी प्रतिनिधित्व किया था।

इस बीच, तेज गेंदबाज लुंगी एनगिडी दाहिनी पिंडली में लगी चोट से उबर गए हैं और उन्हें तीनों टीमों में शामिल किया गया है। वह अगस्त में वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन मैचों की टी20 सीरीज में शामिल नहीं हुए थे।

मुख्य कोच रॉब वाल्टर ने कहा कि इन दौरों से युवा और सीमांत दक्षिण अफ्रीकी खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों से कुछ अनुभव प्राप्त करने की अनुमति मिलेगी, और युवाओं का चयन घरेलू विश्व जैसे प्रमुख आगामी 2027 आईसीसी टूर्नामेंटों की तैयारी के लिए खिलाड़ियों के पूल का विस्तार करना है। हमने कुछ सीमांत खिलाड़ियों के साथ-साथ उन लोगों को भी मौका देने का फैसला किया है जिन्होंने हाल के हफ्तों और महीनों में प्रभावित किया है। यह प्रबंधन की ओर से एक जानबूझकर उठाया गया कदम है, जो चुनने के लिए खिलाड़ियों का एक व्यापक पूल बनाने के हमारे लक्ष्य के अनुरूप है। चूँकि हम 2027 में 50 ओवर के विश्व कप पर दीर्घकालिक दृष्टिकोण के साथ, अगले 18 महीनों में होने वाले प्रमुख आईसीसी टूर्नामेंटों की तैयारी कर रहे हैं। दक्षिण अफ्रीका 14 सितंबर को यूएई के लिए उड़ान भरेगा।

अफगानिस्तान के खिलाफ द. अफ्रीका वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, एडेन मार्कराम, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, नकाबा पीटर, एंडिले सिमलेन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, काइल वेरिन और लिज़ाद विलियम्स।

आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका टी20 टीम

एडेन मार्कराम (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, नांद्रे बर्गर, ब्योर्न फोर्टुइन, रीज़ा हेंड्रिक्स, पैट्रिक क्रूगर, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, नकाबा पीटर, रयान रिकेलटन, एंडिल सिमलेन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स और लिज़ाद विलियम्स।

आयरलैंड के खिलाफ दक्षिण अफ्रीका वनडे टीम

टेम्बा बावुमा (कप्तान), ओटनील बार्टमैन, नांद्रे बर्गर, टोनी डी जोरजी, ब्योर्न फोर्टुइन, वियान मुल्डर, लुंगी एनगिडी, एंडिले फेहलुकवायो, नकाबा पीटर, रयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ, ट्रिस्टन स्टब्स, रासी वैन डेर डुसेन, काइल वेरिन और लिज़ाद विलियम्स

जहां लोग करते हैं रिश्वत से सख्त नफरत

दुनियाभर में ऐसे लोगों की कमी नहीं है जो रिश्वत लेने से जरा भी कुरेज नहीं करते। पैसे की ललक लोगों में इस कद्र बढ़ गई है कि रिश्वत लेनी या देनी आम बात हो गई है लेकिन दुनिया में एक जगह ऐसी भी हैं जहां लोग रिश्वत से सख्त नफरत करते हैं। जी हां, बेलारूस एक ऐसी जगह है जहां पर लोग रिश्वत से दूर रहते हैं। बेलारूस का अर्थ होता है, व्हाइट रशिया (सफेद रूस)। ईस्टर्न यूरोप में स्थित बेलारूस, पॉलैंड और रूस के बीच है। यहां के लोग बहुत सारी चीजों के लिए रूस पर निर्भर हैं। वह आर्थिक और रोजगार संसाधनों से ज्यादा अहमियत अपनी सोच, एजुकेशन और सिद्धांतों के देते हैं। यहां के नागरिक नियमों की कड़ी पालना करते हैं। पुलिस अधिकारी रिश्वत नहीं लेते हैं। 16 साल की उम्र में ही लोग पासपोर्ट बनवा लेते हैं। हैरानी की बात तो यह है कि यहां ऐसी कोई यूनिवर्सिटी नहीं है, जो बेलारूसियन भाषा का कोर्स कराती हो या इसका प्रशिक्षण देती हो।

ऐसे कम करें मधुमेह का खतरा...

फलों का रस पीने से बेहतर है फलों को खाना। फलों में अधिक फाइबर और शुगर शामिल होते हैं। फलों को खाने से आप काफी हद तक मधुमेह के खतरे को कम करने में कामयाब होंगे। आपको सॉसेज और सलामी में चिकन और मीट के प्रयोग से बचना चाहिए। अगर आप खाने को चबाने में पर्याप्त समय लेते हैं तो आप कम खाएंगे जो कि आपके पाचन के लिए भी अच्छा होगा।

रोजाना की डाइट में शामिल करें सिंघाड़ा...

सिंघाड़ा पोषक तत्वों और लो कैलोरी के कारण सेहत के लिए बहुत अच्छा माना जाता है, इसीलिए केवल व्रत में ही नहीं बल्कि आमतौर पर भी रोज सिंघाड़ा खाएं। तिकोने आकार का हरे और लाल रंग का सिंघाड़ा अपने शानदार स्वाद और कड़कपन के कारण बेहद खास है। पानी में पाए जाने वाले सिंघाड़े को पानी फल के नाम से भी जाना जाता है। कई तरह की बीमारियों से बचने के लिए जिंक, पोटैशियम और विटामिन से भरपूर इस फल को हर किसी को अपनी दिनचर्या में शामिल करना चाहिए। सिंघाड़े का इस्तेमाल कई तरह से किया जाता है। कुछ लोग इसे कच्चा खाना पसंद करते हैं तो कुछ इसे उबालकर खाते हैं। कई जगहों पर इसे सब्जी के तौर पर भी प्रयोग में लाया जाता है। आइए इससे होने वाले फायदों के बारे में विस्तार से जानकारी लेते हैं।

पोषक तत्वों से भरपूरः सिंघाड़े का इस्तेमाल अपनी रोजाना की डाइट में किया जा सकता है। इनमें उच्च मात्रा में पोषक तत्व जैसे विटामिन बी व सी, आयरन, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फोरस आदि की मौजूदगी और कैलोरी की कम मात्रा स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होती है। भूख बढ़ाने के लिए भी यह फल एक बेहतर विकल्प माना जाता है। बुजुर्गों व गर्भवती महिलाओं के लिए तो यह बहुत गुणकारी है। इस फल में कई औषधीय गुण हैं, जिनसे शुगर, अल्सर, हृदय रोग, गठिया जैसे रोगों से बचाव हो सकता है।

पीलिया में फायदेमंदः सिंघाड़े में डिटॉक्सिफाइंग गुण पाए जाता है। यह शरीर में मौजूद विषाक्त पदार्थों को बाहर निकालने में कारगर होता है। ऐसे में अगर किसी को पीलिया है तो सिंघाड़े का इस्तेमाल उसके लिए बहुत फायदेमंद होगा।

थायराइड ग्लैंड को सक्रिय करेंः सिंघाड़े में आयोडीन और मैगनीज जैसे कई प्रमुख मिनरल होते हैं। यह थायराइड ग्रंथि के लिए आवश्यक तत्व है। इसलिए रोजाना इसे अपने आहार में शामिल करने से थाइराइड ग्रंथि की क्रियाशीलता लम्बे समय तक सही रूप में बनी रहती है।

अनिद्रा की समस्या से बचाएंः सिंघाड़े में पॉलीफिनॉलिक और फ्लेवोनॉयड जैसे एंटी-ऑक्सीडेंट पाए जाते हैं। इसके अलावा ये एंटी-बैक्टीरियल, एंटी-वायरल और एंटी-कैंसर गुणों से भी भरपूर होता है। इसके अलावा यह अनिद्रा की समस्या को दूर करने में भी सहायक होता है।

यूरीन इंफेक्शन को रोकेंः सिंघाड़े के इस्तेमाल से यूरीन से जुड़ी कई समस्याओं में भी फायदा होता है। सिंघाड़े को कच्चा खाने या इस फल को जूस के रूप में लेने पर यह शरीर से हानिकारक विषैले पदार्थों को बाहर निकालता है और यूरीन संबंधी इंफेक्शन को रोकता है। इसलिए अगर आप यूरीन संबंधी इंफेक्शन से बचना चाहते हैं तो सिंघाड़े को अपने आहार में शामिल करें।

दस्त में लाभकारीः सिंघाड़ा शरीर को ठंडक प्रदान करने का काम करता है। यह प्यास को बुझाने में भी कारगर होता है, इसलिए दस्त होने पर इस मीठे, ठंडे और ठोस फल का सेवन करना बहुत फायदेमंद रहता है। यह मीठा, ठंडा और ठोस फल दस्त में भी लाभ पहुंचाता है साथ ही यह शरीर को शीतल रखकर लार का उत्पादन बढ़ाता है।

ब्यूटी मिनरल सिलिका कितना फायदेमंद...?

सिलिका हमारे शरीर के लिए सबसे महत्वपूर्ण मिनरल में से एक है, जो हमारी हड्डियो को मजबूत बनाने और ऑस्टियोआर्थराइटिस की समस्या को दूर करने में मदद करता है। यह प्राकृतिक रूप से हमारे नाखूनों में पाया जाता है। बच्चों में सुंदर और कोमल त्वचा और सही नाखून होने के कारण शरीर में सिलिका की उपस्थिति है। लेकिन उम्र बढ़ने के साथ शरीर में इसकी मात्रा भी कम होने लगती है। इसलिए भोजन में सिलिका की मात्रा होना महत्वपूर्ण होता है। सिलिका मुख्य रूप से आलू, जौ, गेहूं की भूसी, बादाम, मूंगफली और जई में पाया जाता है। सिलिका कोलेजन के संरक्षण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, जो त्वचा को स्वस्थ और चमकदार बनाने में मदद करता है। सौंदर्य में अद्‌भुत योगदान के कारण, इसे ब्यूटी मिनरल के रूप में जाना जाता है। यहां सिलिका के स्वास्थ्य और सुंदरता के लाभों में से कुछ के बारे में बताया गया है।

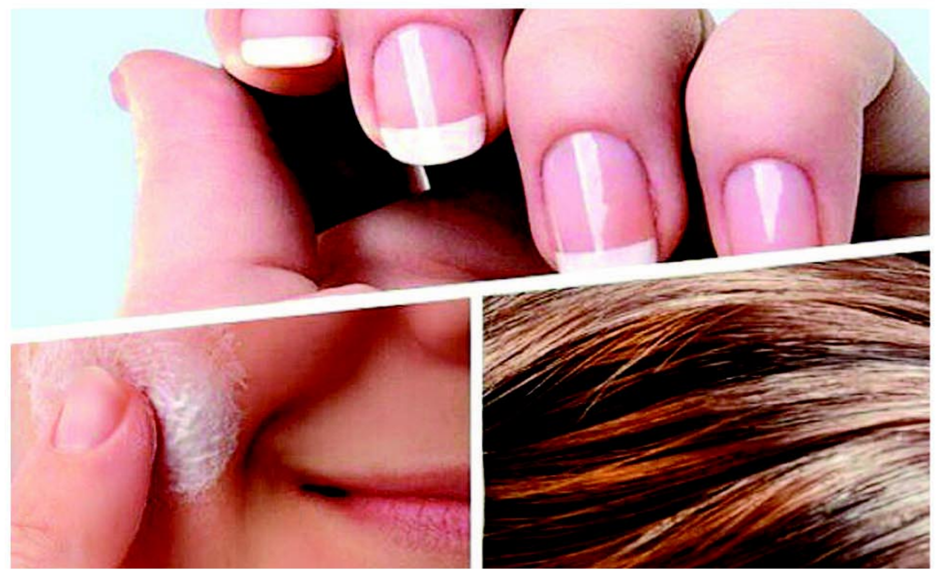

हड्डियों और जोड़ों के काम में सुधार करने में मददगार

सिलिकॉन हड्डियों और जोड़ो के रखरखाव और विकास के लिए आवश्यक माना जाता है। यह कोलेजन की मात्रा में वृद्धि कर हड्डियों के लचीलेपन को उत्प्रेरण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। कोलेजन एक ऐसा घटक है जो हड्डियों में प्रोटीन को रखता है। सिलिकॉन हड्डी के टूटने और डिस्लोकेशन के लगातार उपचार में सहायक होता है। यानी यह स्केलेटल स्वास्थ्य के लिए आवश्यक होता है। सिलिका सप्लीमेंट जोड़ों के लचीलेपन में सुधार लाने में बेहद मददगार साबित होता है, क्योंकि यह संयोजी ऊतक को मजबूत बनाने में मदद करता है। सिलिका जोड़ों में दर्द और सूजन को कम करता है। यह लोच को बढ़ाने और जोड़, मोड़ और खिंचाव में मदद करता है।

सेल्युलाईट के इलाज में मददगार

शरीर में कोलेजन की कमी सेल्युलाईट का कारण बनता है। सिलिका कोलेजन से भरपूर होने के कारण लिग्मेंट और टेंडन को मजबूत बनाने और सेल्यूलाई को दूर करने में मदद करता है। एल्यूमीनियम विषाक्तता को रोकने के लिए शरीर में एल्यूमीनियम के संचय से एल्यूमीनियम विषाक्तता का परिणाम है। सिलिका में भारी मेटल को डिटॉक्स करने के गुण होते हैं, जो एल्यूमीनियम विषाक्तता के लिए एक शानदार उपाय के रूप में काम करता है। यह डिमेंशिया और अल्जाइमर रोग के जोखिम को कम करता है।

दुरुस्त रखता है पाचन तंत्र और इम्यून सिस्टम को

सिलिका और इसके सप्लीमेंट पाचन तंत्र को दुरुस्त रखने और समुचित कार्य को विनियमित करने में मदद करता है। इसे बनाए रखने के लिए ऊतकों की भलाई में मदद करता है और पेट की सूजन को कम करता है। यह अल्सर, दस्त और कब्ज के इलाज में मदद करता है। सिलिका के अल्कालिजिंग गुण खराब खाने के कारण शरीर मे अम्ल बनाने लगता है, जो प्रतिरक्षा प्रणाली को प्रभावित करता है और बीमारी का कारण बनता है, इसके लिए सिलिका में मौजूद अल्कालिजिंग गुण महत्वपूर्ण होते हैं। इसके अलावा सिलिका एंटीबॉडी और एंटीजन बनाता है जो स्वस्थ प्रतिरक्षा प्रणाल को बनाए रखने में आवश्यक होता है।

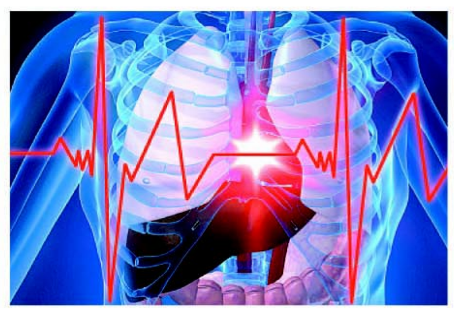

दिल के लिए अच्छा और घाव को जल्द भरें

सिलिका हृदय प्रणाली को स्वस्थ रखने वाला एक अनिवार्य तत्व है। यह धमनी पट्टिका पर प्लॉक निर्माण और बंद रक्त वहिकाओं को खोलने में मदद करता है। इसके अलावा यह घाव जल्द भरने में मदद करता है। सिलिका कोलेजन का एक हिस्सा है, इसलिए इसमें जबरदस्त चिकित्सा गुण होते है। जो घाव, जलन और निशान का इलाज करने में मदद करता है।

शरीर के हार्मोन को संतुलित करने में मददगार

सिलिका टेंडन और अन्य संयोजी ऊतकों के कोलेजन के लोच को बनाए रखता है। यह दर्द को कम करने और शरीर के लचीलेपन को बनाए रखने में मदद करता है। इसके अलावा हार्मोनल संतुलन में मददगार होता है। सिलिका शरीर में कैल्शियम और मैग्नीशियम के बीच एक उचित संतुलन को बढ़ावा देता है। यह शरीर में ऑस्टियोपोरोसिस के खतरे को रोकता है।

एंटी-एजिंग व मुंहासों को दूर करें

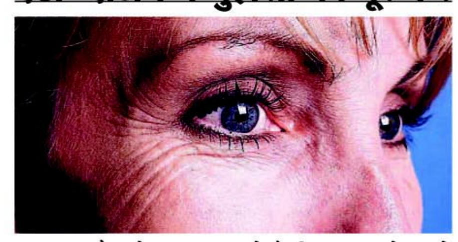

युवा और कोमल त्वचा पाने के लिए, आपको अपने आहार में सिलिका युक्त भोजन जैसे लाल बीट, ज्वार, बाजरा, जौ, आलू और ओट्स आदि को शामिल करना चाहिए। यह कोलेजन लोच को बनाये रखने में मदद करता है जिससे झुर्रियों रहती है। सिलिका शरीर से विषाक्त पदार्थों को हटाने में मदद करता है, जिससे कोलेजन के उत्पादन को बढ़ाने और संयोजी ऊतकों के पुनर्निर्माण से मुंहासों को दूर करने में मदद मिलती है। यह त्वचा की बाहरी परत की कोशिकाओं के अच्छे स्वास्थ्य के लिए भी अच्छा होता है।

हरी मेथी से सेहत को बनाएं हरा-भरा

मेथी के पौष्टिक और स्वास्थ्यवर्धक गुण कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मदद करते हैं। इसमें प्रोटीन, फाइबर, विटामिन सी, नियासिन, पोटेशियम और आयरन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। इसमें डियोसजेनिन (diosgenin) तत्व भी पाया जाता है जो एस्ट्रोजन की तरह काम करता है। इस तत्व के कारण बहुमुखी मेथी स्वास्थ्य और सौंदर्य दोनों के लिए फायदेमंद होती है। अगर आपको कब्ज या पाचन से जुड़ी कोई भी समस्या है तो हरी मेथी आपके लिए बेहद फायदेमंद हो सकती है। इसका सेवन करने से पाचन क्रिया पर सकारात्मक असर पड़ता है और कब्ज, गैस जैसी समस्याएं दूर हो जाती हैं। हरी मेथी दिल की बीमारियों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मेथी पोटेशियम का सबसे अच्छा स्रोत होता है जो सोडियम के प्रभाव को कम करके दिल के हृदय गति और रक्त चाप को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह डायबिटीज रोगियों के लिए भी काफी फायदेमंद होती है। मेथी में घुलनशील फाइबर रक्त में शुगर के सोखने की प्रक्रिया को कम करने में मदद करता है। मेथी जैसे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद है। उसी तरह मेथी का इस्तेमाल आप सौंदर्य के लिए भी कर सकती है। इसका इस्तेमाल करने से ढीली पड़ती त्वचा में कसाव लाने का काम करता है इसके अलावा यह आपके बालों के लिए भी फायदेमंद होती है। इसको पीसकर बालों में लगाने से बाल काले, घने और चमकदार हो जाते हैं।

शुरू कर सकते हैं खुद का कारोबार

पर्सलन स्टाइलिस्ट में बेहतर भविष्य खोज सकते हैं युवा

आजकल के युवा स्टाइल के मामले में किसी से भी कम नहीं वो अपनी लुक को बदलने के लिए प्रोफेशनल्स की मदद लेते हैं, जिन्हें पर्सनल स्टाइलिस्ट कहा जाता है। आजकल की युवा पीढ़ी अपने कॅरियर को लेकर काफी जागरूक है। वो अपने कॅरियर का चुनाव बड़े ही सोच समझकर कर करते हैं। आप पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने में भी अपने कॅरियर की शुरुआत कर सकते हैं। पर्सनल स्टाइलिस्ट का काम होता है लोगों का मेकओवर करना और लोगों के ड्रेसिंग सेंस को भी बढ़ाना।

फैशन जगत से रहें अपडेट

हर कॅरियर की शुरुआत करने से पहले उसके बारे में पूरी जानकारी होना बेहद जरूरी है। पर्सनल स्टाइलिस्ट बनने के लिए आपको लोगों के मूड, फैशन के बदलते ट्रेंड , ड्रेसिंग सेंस के बारे में, इसके लिए आपको हर दिन की फैशन जगत की अपडेट रखनी होगी।

स्टडी सेंटर्स...

- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ डिजाइन, अहमदाबाद
- पर्ल एकेडमी ऑफ फैशन, दिल्ली

योग्यता...

इस क्षेत्र में कॅरियर बनाने के लिए ज्यादा शिक्षा की तो नहीं बल्कि आपके पास डिग्री होनी जरूरी है और इस क्षेत्र में काम करने के लिए आप फैशन डिजाइनिंग, कॉस्ट्यूम डिजाइनिंग और मार्केटिंग का कोर्स कर सकते हैं। इस क्षेत्र में आप चाहें तो खुद का कारोबार भी शुरू कर सकते हैं, जो आपके लिए फायदेमंद साबित होगा, इसके अलावा आप फैशन, एंटरटेनमेंट, डिजाइनिंग वाले क्षेत्र में भी नौकरी पा सकते हैं।

गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर ध्यान दें...

गाड़ी खरीदना कोई बड़ी बात नहीं है, बड़ी बात यह है कि गाड़ी को अच्छी स्थिति में रखना। हम अक्सर कारों का इस्तेमाल लगभग हर दूसरे कामो में करते हैं लेकिन कभी इस बारे में ज्यादा नहीं सोचते कि कारों की देखभाल भी बड़े ही अच्छे और प्यार से करनी चाहिए। गाड़ी की अच्छी देखभाल करने का एक सबसे आसन और सरल उपाय है यूजर मैन्यूअल। आपकी गाड़ी से सम्बंधित हर छोटी बड़ी बातें इस यूजर मैन्यूअल में रहती हैं। हम ज्यादातर यूजर मैन्यूअल पढ़ते भी नहीं ढंग से, लेकिन अगर आप ध्यान दें तो आपको पता चलेगा कि कितनी काम की जानकारियां इस यूजर मैन्यूअल से हमें मिल सकती हैं। तो अगर आप खुद गाड़ी की देखभाल करना चाहते हैं और छोटी छोटी बातों के लिए गाड़ी को गैराज में नहीं ले जाना चाहते तो अपने गाड़ी के यूजर मैन्यूअल पर भी थोड़ा ध्यान दें।

ऑटोमैटिक ट्रांसमिशन की जांच

गाड़ी को स्थिर कर खड़ा करें एक स्तर पर, फिर पार्किंग ब्रेक लगाएं और इंजन शुरू करें।अपने ट्रांसमिशन शिफ्टर को पोजिशन(पार्किंग) में रखें। इंजन को वैसे ही रहने दें। ट्रांसमिशन डीप स्टिक निकले। डीप स्टिक को एक साफ कपड़े से या फिर टिशू पेपर से पोछ लें, इसके बाद फिर डीप स्टिक को वापस जगह पे डाल दें। डालने के बाद फिर से निकालें और फ्लूअड लेवल चेक कर लें। अगर इंजन बंद है तो ये कोल्ड मार्क तक रहेगा। अगर गाड़ी चली है और गर्म है तो हॉट मार्क पर रहेगा। फ्लूअड कोलोर का भी ध्यान रखें।अगर ज्यादा गंदा है और खराब गंध आ रही है तो ट्रांसमिशन सही काम नहीं कर रहा है। इसे साफ और पारदर्शी रहना चाहिए। आप अपने गाड़ी की मैन्यूअल देख लें की इसे कब बदलने की जरूरत है। गाड़ी को कोई समतल जगह खड़े करें, इंजन बंद कर दें, थोड़ी देर रूकें कि इंजन आयल अपने स्तर पर आ जाए। इंजन की डीप स्टिक निकालें। इसे अच्छी तरह किसी सूखे कपड़े या फिर टिशू पेपर से पोछ के फिर वापस जगह पर डाल दें। अब इस डीप स्टिक को फिर से निकालें और इंजन आयल लेवल चेक करें। आमतौर पे ये फुल मार्क तक रहेगा, लेकिन ये अगर फुल मार्क के कुछ ज्यादा ही नीचे है तो फिर आपको इंजन आयल बदलने की जरूरत है। यह भी देख लें अगर इंजन आयल में ज्यादा कालापन आ गया है या फिर ज्यादा गन्दा हो गया है तो इसे तुरंत बदल दें।

इंजन कूलन्ट की जांच

इंजन कूलन्ट के कम होने पर इंजन-ओवरहीट हो जाता जो की इंजन की एक बहुत ही बड़ी समस्या है। इंजन कूलन्ट का स्तर लो और फुल मार्क के बीच में रहना चाहिए। अगर आप बार बार कूलन्ट डाल रहे हैं फिर भी टैंक में सही मात्र में कूलन्ट नहीं है तो हो सकता है कि कूलन्ट लीक हो रही हो।

रेसिपी

मूंग दाल सीख कबाब

सामग्री

1 कप पीली मूंग दाल, 1 कप उबले , छिले और मसले हुए आलू, 3 टेबल-स्पून कसा हुआ प्याज़, 2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर, 1/4 टी-स्पून गरम मसाला, 1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर, 1 टी-स्पून अधरक-लहसुन का पेस्ट, 2 टी-स्पून चाट मसाला, 2 टेबल-स्पून कटा हुआ हरा धनिया, नमक स्वादअनुसार, चुपड़ने के लिए : घी

विधि

मूंग दाल को साफ करने के बाद और धोकर 1 कप पानी में दाल के नरम होने तक या सारा पानी सूख जाने तक उबाल लें। पकी हुई दाल को बचे हुए सामग्री के साथ अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 4 बराबर भाग में बांट लें और सीख (धातू के बने सीख) का प्रयोग कर, दाल मिश्रण के प्रत्येक भाग को उसमें फसांकर अपनी उंगलीयों से 100 मिमी (4) लंबे कबाब बना लें। हर एक कबाब पर थोड़ा तेल लगाएं और इन्हें कोयला या इलेक्ट्रिक बार्बेक्यू में उनके सभी तरफ सुनहरा होने तक पका लें (लगभग 3-4 मिनट के लिए)। हर एक कबाब के 2 टुकड़े काटकर गरमा गरम परोसें।

स्पिनॅच कोफ्तास्

सामग्री

कोफ्ते के लिएः 4 1/2 कप कटी हुई पालक, 4 ब्रेड स्लाईस, 1/2 कप चूरा किया हुआ पनीर, 2 स्पून बारीक कटा हुआ हरा धनिया, 1/2 स्पून भुना हुआ बेसन, 1 स्पून हरी मिर्च का पेस्ट, नमक स्वादअनुसार, तलने के लिए: तेल, **पेस्ट बनाने के लिएः** 1/2 कप कटे हुए प्याज, 2 स्पून कसा नारीयल, 7 लहसुन कलियां, 2 हरी मिर्च, 2 सूखी कश्मीरी लाल मिर्च , 2 खड़ा धनिया, 1 स्पून ज़ीरा, 2 स्पून चीरोंजी, 2 स्पून खस-खस, 1 अदरक, 2 स्पून हरा धनिया, **ग्रेवी के लिएः** 2 कप टमाटर, 1 स्पून लाल मिर्च, 2 स्पून तेल, 1 स्पून शक्कर, नमक, 2 स्पून क्रीम

विधि

कोफते के लिएः बर्तन भर पानी उबालें, पालक डालकर मध्यम आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। छानकर, ठंडे पानी से धोकर रख दें। ब्रेड के किनारों को काटकर निकाल लें और चूरा कर लें। पालक और ब्रेड के चूरे के साथ सभी सामग्री को एक बाउल में डालकर अच्छी तरह मिला लें। मिश्रण को 20 भाग में बांट ले और छोटे गोले बना लें। एक नॉन-स्टिक कढ़ाई में तेल गरम करें, थोड़े-थोड़े कोफते डालकर सभी तरफ से सुनहरा होने तक तल लें। तेल सोखने वाले कागज़ पर निकाल लें और एक तरफ रख दें। **ग्रेवी के लिएः** एक गहरे नॉन-स्टिक पैन में 3 कप पानी उबालें और टमाटर डालकर मध्यम आंच पर 8 से 10 मिनट या टमाटर के नरम होने तक पका लें। हल्का ठंडा कर मिकसर में पीसकर मुलायम पल्प बना लें। एक तरफ रख दें। एक गहरी कढ़ाई या नॉन-स्टिक पैन में तेल गरम करें, पेस्ट डालकर मध्यम आंच पर 2-3 मिनट तक भून लें। लाल मिर्च पाउडर, टमाटर का पल्प, शक्कर और नमक डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर, बीच-बीच मे हिलाते हुए 3 से 4 मिनट तक पका लें। क्रीम डालकर अच्छी तरह मिला लें और मध्यम आंच पर 1 मिनट तक पका लें। एक तरफ रख दें। परोसने के तुरंत पहले, ग्रेवी को दुबारा गरम कर लें। कोफते डालकर हल्के हाथों मिला लें और धीमी आंच पर 1 से 2 मिनट तक पका लें। तुरंत परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**